केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

श्री महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

पानी मर्यादा तोड़े तो विनाश होता है...
और
वाणी मर्यादा तोड़े तो सर्वनाश होता है...!

वर्ष 13 अंक 278 | उज्जैन, गुरुवार 23 मार्च 2023 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है अमृतपाल

चंडीगढ/जीएनएस। वारिस पंजाब दे प्रमुख और खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। हालांकि, अभी भी अमृतपाल सिंह पंजाब पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। उसे लगातार खोजने की कोशिश की जा रही है। अमृतपाल सिंह के खिलाफ पहले ही लुक आउट सर्कुलर और गैर जमानती वारंट जारी कर दिया गया है। इसके अलावा अमृतपाल के अलग-अलग वेशभूषा को लेकर भी पुलिस ने कई फोटो जारी किए थे। इन सबके बीच उस बाइक को बरामद कर लिया गया है जिसे भागने के दौरान अमृतपाल सिंह ने इस्तेमाल किया था। यह बाइक पंजाब पुलिस ने जालंधर में एक नहर के पास से बरामद किया है। एसएसपी जालंधर ग्रामीण स्वर्णदीप सिंह ने बताया कि जब पुलिस ने उसका पीछा किया, तो वे एक गुरुद्वारे में भाग गए और ग्रंथी को कपड़े देने के लिए मजबूर कर दिया। उसने वहां 40-45 मिनट बिताए। उन्होंने बाइक मंगाई और सहायकों के साथ फरार हो गए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जांच के दौरान पता चला कि उन्होंने मोटरसाइकिल के लिए गौरव गोरा नाम के शख्स को बुलाया था। मोटरसाइकिल उसके पिता के नाम पर रजिस्टर्ड थी।

कश्मीर को एशिया का स्विट्जरलैंड बना रहा भारत

इस्लामाबाद/जीएनएस। पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर जब भी मौका मिलता है, तो वह इसका इस्तेमाल 'कश्मीर' मुद्दे का राग अलापने के लिए करने लगता है। अभी हाल ही में संयुक्त राष्ट्र बैठक में भी उसने ये मुद्दा उठाने की कोशिश की थी, लेकिन न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय समुदाय, बल्कि खुद पाकिस्तानी भी अकसर अपनी हुकूमत को आईना दिखा देते हैं। अब पाकिस्तानी विशेषज्ञ सैयद शब्बर जैदी में पाकिस्तानी हुकूमत पर हमला बोलते हुए लिखा कि अगर कश्मीरियों ने भारत के साथ रहने का फैसला कर लिया है तो उन्हें रहने दें। शब्बर जैदी यहीं नहीं रुके। उन्होंने भारत सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि पहले आर्टिकल-370 हटाया गया, फिर विशेष दर्जा खत्म किया गया, गैर कश्मीरियों को यहां जमीन खरीदने की अनुमति मिली और यूएई कश्मीर में निवेश करने जा रहा है। 1947 के बाद से यह पहली बार होगा, जब कश्मीर में विदेशी निवेश हो रहा है। उन्होंने लिखा कि ये चीजें कश्मीर मुद्दे को हल कर रही हैं। भारत और विश्व कश्मीर में भारी निवेश करेंगे और उसे एशिया का स्विट्जरलैंड बना देंगे।

पीएम मोदी के खिलाफ पोस्टर लगाने पर 138 एफआईआर

नई दिल्ली/जीएनएस। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ पोस्टर लगाने के मामले में पुलिस ने 138 एफआईआर दर्ज की हैं। सभी केस प्रिंटिंग प्रेस एक्ट और प्रॉपर्टी डिफेसमेंट एक्ट के तहत दर्ज किए गए हैं। वहीं आम आदमी पार्टी के ऑफिस से निकलती हुए एक वैन से भी पोस्टर जब्त किए गए। इस केस में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक दिल्ली के कुछ हिस्सों में 'मोदी हटाओ देश बचाओ' नारों वाले पोस्टर लगे थे। इन पोस्टरों में प्रिंटिंग प्रेस का ब्योरा नहीं था। इधर, आम आदमी पार्टी ने पुलिस कार्रवाई को तानाशाही बताया है। पार्टी ने कहा कि मोदी सरकार की तानाशाही चरम पर है। पोस्टर में ऐसा क्या आपत्तिजनक है, जो इसे लगाने पर मोदी जी ने 138 एफआईआर कर दीं?

अवन्तिका तीन लोक से न्यारी, कितनी प्यारी है इस अदभुत नगरी में सबकुछ अलौकिक है -मुख्यमंत्री चौहान

उज्जैन के गौरव दिवस में शामिल हुए मुख्यमंत्री>>शान की संगीत निशा का हुआ आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को उज्जैन के गौरव दिवस तथा भारत उत्कर्ष नवजागरण और वृहत्तर भारत की सांस्कृतिक चेतना पर एकाग्र विक्रमोत्सव कार्यक्रम के तहत ?शिप्रा तट (दत्त अखाड़ा घाट) पर आयोजित प्रसिद्ध पार्श्व गायक शान और उनके दल की भव्य संगीत निशा में शामिल हुए।

उन्होंने कहा कि आज उज्जयिनी का जन्म उत्सव है। अवन्तिका नगरी तीन लोक से न्यारी और प्यारी है। उज्जयिनी नगरी अलौकिक और अदभुत नगरी है, जो अपनी संस्कृति और परम्परा को सहेजे हुए है। यहां आकर हमेशा एक अदभुत और दिव्य अनुभव होता है। यहां का शुद्ध एवं सात्विक वातावरण सबका मन मोहता है। आज का दिन अदभुत है, आज गुड़ी पड़वा है। इस दिन विक्रम संवत का प्रारम्भ हुआ। सम्राट विक्रमादित्य ने उस काल में शको और हुणों को पराजित कर विजयी भारत की नींव रखी। हमें यह याद रखना चाहिये कि हमारी संस्कृति हजारों वर्ष पुरानी है। विक्रम संवत ईस्वी सन से 57 वर्ष पुराना है। सनातन नया वर्ष आज प्रारम्भ हो रहा है और इसी दिन 2005 से हमने विक्रमोत्सव मनाना शुरू किया था। आज ही के दिन अवन्तिका का गौरव दिवस मनाया जा रहा है। सृष्टि को आरम्भ हुए एक अरब 95 करोड़ 58 लाख 85 हजार 124 वर्ष हो गये हैं। उज्जैन का गौरव सबको गौरवान्वित करता है। उज्जैन की अपनी धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान है जो युगों से पल्लवित होती रही है। सृष्टि के आरम्भ से ही उज्जयिनी का अस्तित्व माना जाता है। युग बदलते गये और उज्जैन को कभी उज्जयिनी, अवन्तिका, कनकश्रृंगा आदि नामों से जाना जाता रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरूड़ पुराण में उज्जैन को सर्वश्रेष्ठ नगरी बताया गया है। वहीं अग्निपुराण में उज्जयिनी को मोक्षदा कहा गया है। पार्वती मां के कहने पर भगवान शिव ने उज्जयिनी नगरी बसाई थी। इसीलिये उज्जयिनी नगरी को विशाला भी कहते हैं।

मध्य प्रदेश में महाकाल लोक के बाद ओरछा में राम लोक का निर्माण किया जायेगा

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि उज्जैन में महाकाल लोक के निर्माण से न केवल मध्य प्रदेश अपितु देश में उज्जैन का नाम गौरवांवित हुआ है। पूरे विश्व में भारत और महाकाल लोक छाये हुए हैं। विदेशी पर्यटक भी उज्जैन आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जुलाई माह तक महाकाल लोक का दूसरा भाग तैयार हो जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगे और भी नये आयाम प्रदेश स्थापित करेगा। यह नया मध्य प्रदेश है। महाकाल लोक के बाद ओरछा में राम लोक, चित्रकूट में वनवासी लोक, सलकनपुर धाम में देवी लोक बनायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम

अपनी संस्कृति और परम्परा न भूलें। अपनी संस्कृति और परम्परा को स्थापित करने के लिये अपना सर्वस्व योगदान दें।

मुख्यमंत्री ने उज्जयिनी गौरव रत्न सम्मान प्रदान किया

गौरव दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विख्यात व्यक्तियों को उज्जयिनी गौरव रत्न सम्मान प्रदान किया। सम्मान के तहत शाल एवं प्रशंसा पत्र प्रदान किये। मुख्यमंत्री ने चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने पर डॉ.सीएम पौराणिक को, शिक्षा के क्षेत्र में डॉ.रामराजेश मिश्र, साहित्य के क्षेत्र में श्री शिव चौरसिया को, विधि के क्षेत्र में श्री कुलदीप भार्गव को, अभियांत्रिकी के क्षेत्र में श्री श्रीकान्त वैशंपायन को, ज्योतिष के क्षेत्र में श्री शिवेंद्रचंद्र द्विवेदी को, उद्योग एवं व्यवसाय के क्षेत्र में श्री मुकेश रांका को तथा खगोलशास्त्र के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने पर श्री घनश्याम रत्नानी को सम्मान प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने संस्कृति विभाग द्वारा स्थापित वेदव्यास सम्मान वर्ष 2019-20 के लिये अंकुर एजुकेशन अल्टरनेटिव सोसायटी के श्री प्रभात कुमार झा एवं श्रीमती सुशीला को प्रदान किया। वर्ष 2020-21 का वेदव्यास सम्मान श्री आर.बालाशंकर नईदिल्ली को तथा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद सम्मान वर्ष 2020-21 बालगोकुलम संस्था केरल के श्री बाबूलालजी एवं श्री टी.शिवकुमार को प्रदान किया।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक नये भारत का उदय हुआ है

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हर वर्ष अंग्रेजी कैलेण्डर के अनुसार नया साल मनाते हैं। हम अपनी वर्ष प्रतिपदा एवं गुड़ी पड़वा एवं विक्रम संवत को भूल चुके थे। यह दर्द मुझे हमेशा रहता था कि हम प्राचीन इतिहास को भूलने लगे हैं। इसलिये मैंने तय किया कि हर वर्ष गुड़ी पड़वा एवं नव संवतसर पर्व को पूरी परम्परा के साथ मनाया जायेगा और अपने प्राचीन भारत के गौरव को पुनःस्थापित किया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में एक नये भारत का उदय हुआ है। इस भारत की कीर्ति चहुंओर फैल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अपने गौरव को पुनः स्मरण करने के लिये गुड़ी पड़वा पर अवकाश भी घोषित किया हुआ है।

पुस्तकों एवं कैलेण्डर का विमोचन किया

मुख्यमंत्री ने गौरव दिवस के अवसर पर चार पुस्तकों का विमोचन किया। इसमें अयोध्या, सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण, सम्राट विक्रमादित्य एवं जल परम्पराएं नामक पुस्तक शामिल है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने नव संवतसर के कैलेण्डर का भी विमोचन किया। इसके पूर्व मुख्यमंत्री के आगमन पर घाट पर भव्य एवं रंगारंग आतिशबाजी की गई। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर गौरव दिवस के कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री ने पांच गायकों श्री शंकर महादेवन, अरजीत सिंह, शान, सोनू निगम एवं कैलाश खेर द्वारा गाये महाकाल के गीत

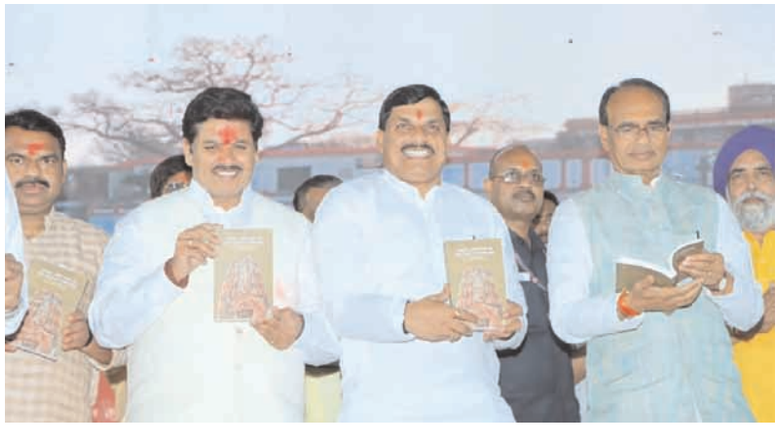

को लॉन्च किया। पं.चन्दन गुरु ने स्वस्ति वाचन किया एवं विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक डॉ.श्रीराम तिवारी ने विक्रमादित्य शोधपीठ के कार्यों की विस्तार से जानकारी दी।

एक अप्रैल से शराब के अहाते बन्द रहेंगे

मुख्यमंत्री ने कहा कि एक अप्रैल से समूचे प्रदेश में शराब के अहाते बन्द होंगे। कोई भी व्यक्ति अहाते में बैठकर शराब नहीं पी पायेगा। साथ ही कोई सड़क पर यदि शराब पीता दिखा तो उसे डंडे भी पड़ेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्ति अभियान निरन्तर चलता रहेगा।

उज्जैन को स्वच्छता में नम्बर वन बनाने का संकल्प दिलाया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उपस्थित लोगों से कह कि वे उज्जयिनी को स्वच्छ एवं साफ बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दें। उन्होंने उपस्थित लोगों को संकल्प दिलाया कि वे इस वर्ष उज्जैन को स्वच्छता में नम्बर एक जिला बनायेंगे। इसके लिये उन्होंने स्वच्छ प्रतियोगिता आयोजित करने के भी निर्देश दिये। मौके पर ही महापौर श्री मुकेश टटवाल ने घोषणा की कि नगर निगम हर वर्ष गौरव दिवस के अवसर पर सवा लाख रुपये का स्वच्छता गौरव पुरस्कार प्रदान करेगा।

संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने उज्जैनवासियों को गौरव दिवस की बधाई दी और कहा कि हम सबको वैदिक परम्परा अपनाना चाहिये। वैदिक परम्परा को अपनी जीवन शैली का हिस्सा बनाना चाहिये। सुश्री ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हम सब 21वी सदी में पुनः अपनी प्राचीन संस्कृति की प्राण-प्रतिष्ठा को प्रतिष्ठित करेंगे। उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा कि हमारे जिले में हर पर्व एवं त्यौहार में मुख्यमंत्री श्री चौहान शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि इससे हमारा पथ प्रदर्शन होता है। उन्होंने विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी और बताया कि उज्जैन में हाल ही में वैज्ञानिकों का एक बहुत बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया था। दुनिया की पौराणिक फिल्मों का प्रदर्शन भी उज्जैन में किया गया। इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री पारस जैन एवं श्री बहादुरसिंह चौहान, महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव, जनप्रतिनिधि सर्वश्री विवेक जोशी, बहादुरसिंह बोरमुंडला, जगदीश अग्रवाल, विशाल राजौरिया सहित प्रशासनिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

लाड़ली बहना योजना अभियान में भी सहयोगी की भूमिका निभा रहे भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता!

शासकीय अमले का कर रहे सहयोग!

पचोर/हेमन्त कुमार शर्मा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा महिलाओं के हक में शुरू की जाने वाली महती योजना लाडली बहना के प्राथमिक शरण में की जाने वाली कागजी खानापूर्ति के लिए नगर परिषद आंगनबाड़ी केंद्रों का प्रशासनिक अमला मोहल्ले मोहल्ले घूम कर आधार कार्ड समग्र आईडी की ईकेवाईसी करा रहा है इसमें योजना के कुशल संचालन एवं शत-प्रतिशत अपेक्षित परिणाम पाने के लिए भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता एवं समाजसेवी भी सहयोग कर रहे हैं! गत दिवस वार्ड नंबर 15 में नगर परिषद के कंप्यूटर ऑपरेटर सहित कर्मचारी व आंगनवाड़ी महिला कार्यकर्ता ने कैंप लगाया जिसमें वार्ड की महिलाओं ने आगे आकर अपनी कागजी खानापूर्ति करवाई! वही सहयोगी के रुप में वार्ड के समाजसेवी कमल गुप्ता (रूचि कलेक्शन)पवन बंसल (मेडिकल)आशीष गर्ग (प्रॉपर्टी एजेंट) भाजपा शिक्षक प्रकोष्ठ जिला संयोजक कमल सक्सेना भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य मनीष मन्नू यादव कमलेश गुप्ता (किराना) आदि ने आगे आकर मोहल्ले में घूम कर मोहल्ले में घूम कर महिलाओं को जागरूक किया तथा समझाइश दी कि सरकार की इस योजना का पात्र महिलाएं अवश्य लाभ उठाएं तथा सभी अपने समग्र आईडी एवं आधार कार्ड की ईकेवाईसी करवाएं!

कोरोना को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की बड़ी बैठक, हालात और तैयारियों की हुई समीक्षा

नईदिल्ली/जीएनएस। प्रधानमंत्री मोदी की इस बैठक में कई बड़े अधिकारी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब देश के कई हिस्सों में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है।

देश के कई हिस्सों में बढ़ते कोरोना वायरस के मामलों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली में एक बड़ी बैठक की है। इस बैठक में कोरोना वायरस से संबंधित स्थिति और सार्वजनिक स्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा की गई है। प्रधानमंत्री मोदी की इस बैठक में कई बड़े अधिकारी शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब देश के कई हिस्सों में कोरोना वायरस के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-19 की स्थिति और जनस्वास्थ्य तैयारियों की समीक्षा बैठक में सावधानी, सतर्कता बरतने की सलाह दी। बयान में बताया गया कि

समीक्षा बैठक में, प्रधानमंत्री मोदी ने कोविड-उपयुक्त व्यवहार का पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयोगशाला निगरानी बढ़ाने, गंभीर घातक श्वसन संक्रमण (एसएआरआई) के सभी मामलों की जांच करने और जीनोम अनुक्रमण को तेज करने का आह्वान किया। पीएम मोदी को इन्फ्लूएंजा की स्थिति से अवगत कराया गया, विशेष रूप से पिछले कुछ महीनों में एच1एन1 और एच3एन2 के मामलों की अधिक संख्या के संबंध में।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के बुधवार को जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार भारत में कोरोना वायरस के 1,134 नये मामले दर्ज किये गये हैं, वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 7,026 पहुंच गयी है। सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के अनुसार संक्रमण से पांच लोगों की मौत होने के साथ मृतक संख्या 5,30,813 हो गयी है।

कलेक्टर आज आकस्मिक रूप से पेटलावद अनुभाग पहुंचे

झाबुआ/माणक लाल जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आज आकस्मिक रूप से पेटलावद अनुभाग क्षेत्र का भ्रमण किया । यहां पर पशु चिकित्सा विभाग की व्यवस्था का जायजा लिया और यहां पर फैली अव्यवस्था के प्रति अप्रसन्नता व्यक्त की । यहां पर जो पेवर्स लगाए गए हे उसमें भी आवश्यक सुधार के लिए तत्काल निर्देश दिए गए । इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनिल राठौर एवं पशु चिकित्सा विभाग के संचालक संचालक विल्सन डावर उपस्थित थे । श्रीमती सिंह ने पेटलावद एसडीएम कार्यालय के सामने लायंस क्लब गार्डन का अवलोकन किया । इस संबंध में एसडीएम राठौर ने बताया कि इसे बेहतर किया जा रहा है । नगर पालिका परिषद पेटलावद द्वारा मुख्यमंत्री शहरी भू आवासीय योजना के अंतर्गत दिए जा रहे आवासीय पट्टे के संबंध में भी मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी से चर्चा की एवं पात्र अपात्र की सूची प्राप्त की। श्रीमती सिंह ने निर्देश दिए कि जीन पट्टों को निरस्त किए गए हैं उन्हें पुनः जांच कर सकारात्मक रूप से निराकरण किया जाए। योजना का लाभ अधिक से अधिक हितग्राहियों को प्राप्त हो ऐसे हमारे प्रयास होना चाहिए। इस संबंध में तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। श्रीमती सिंह ने नगर पालिका परिषद पेटलावद के वार्ड क्रमांक 15 में स्वयं जाकर पात्र /अपात्र हितग्राहियों से चर्चा की वार्ड क्रमांक 15 में ई केवायसी के अंतर्गत किए जा रहे कार्रवाई का भी जायजा लिया । लोगों ने सरवर और नेट की समस्या से कलेक्टर श्रीमती सिंह को अवगत कराया। यहां पर मांगीलाल चुन्नीलाल , नीलेश डामोर, गोपाल वेस्ता, लूणा प्रजापत से रूबरू चर्चा की। पट्टे के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

श्रीमती सिंह ने ग्राम सारंगी में अतिवृष्टि से प्रभावित फसल का भी अवलोकन किया गया एवं ग्राम बावड़ी में भी प्रभावित फसलों का निरीक्षण किया। ग्राम बावड़ी में किसान भेरूलाल पाटीदार एवं मणि राम जी से चर्चा की एवं फसल नुकसान के लिए मुआवजे के लिए तत्काल आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए गए। इस दौरान नायब तहसीलदार सारंगी सुश्री परवीन बानो एवं प्रभारी पीआरओ सुधीर कुशवाह एवं अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा खाचरोद में नव वर्ष पर निकली भागवा यात्रा का स्वागत किया है

रामस्नेही महाराज संत तोताराम जी को माला पहनाकर समस्त समाज जनों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालवा हैराल्ड।उज्जैन के खाचरोद नगर में गुड़ी पड़वा एवं हिंदू नववर्ष पर निकलने वाली भगवा यात्रा का भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा नगर अध्यक्ष मोहसिन खान के नेतृत्व में पुराना थाना स्थित चौराहा पर स्वागत किया गया एवं रामस्नेही महाराज संत तोताराम जी को माला पहनाकर समस्त समाज जनों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवम पूर्व विधायक दिलीपसिंह शेखावत अजय शेखवत,राधेश्याम जी बंबोरिया पार्षद फारूक अली,अल्पसंख्यक मोर्चे के उपाध्यक्ष रफीक मेव,महमंत्री रफीक पठान,अनीश खान,जफर खान, आयन खान समस्त मोर्चा पदाधिकारी उपस्थित रहें।

भाजपा में अब बुथ समितियां अधिकार संपन्न महत्वपूर्ण इकाई होगी-बंबोरिया

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/दैनिक मालवा हैराल्ड। उज्जैन के खाचरौद भाजपा के बुथ विस्तार अभियान-2 के तहत खाचरोद नगर मंडल के पं. दीनदयाल उपाध्याय शक्ति केंद्र के बूथ क्रमांक 203 पर भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक कि आयोजित की गई इस बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य एवं शक्ति केंद्र के संयोजक राधेश्याम बंबोरीया ने कहा की भाजपा संगठन की प्रदेश और जिला ईकाईयों के साथ अब बूथ स्तरीय समितियां भी महत्वपूर्ण और अधिकार संपन्न होगी एवं संबंधित क्षेत्र के सारे फैसले बुथ स्तरीय समितियों के माध्यम से ही होंगे तथा बुथ समिति के पदाधिकारीगण शासन की कल्याणकारी योजनाओं को जन तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे इसके अलावा बुथ समितियों के पर आगामी दिनों में होने वाले विधानसभा व लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में 51त्न से अधिक वोट करवाने की भी महत्वपूर्ण जवाबदारी भी है इस बैठक को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं शक्ति केंद्र के विस्तारक विनोदजी चतुर्वेदी ने बुथ विस्तार अभियान के बारे में कार्यकर्ताओं को विस्तार से समझाया अवगत कराया बैठक शक्ति केंद्र प्रभारी दशरथ मेहता तथा युवा नेता विनोद बंबोरिया ने भी संबोधित किया बैठक में बूथ क्रमांक 203 की समिति का गठन कीया गया।इसमें अध्यक्ष पद पर कन्हैयालाल ठन्ना,सचिव कैलाश खमरिया,तथा बीएलए रामचंद्र नगर को बनाया गया इसके साथ ही पन्ना समितियों का भी गठन किया गया इस अवसर पर पूर्व पार्षद रामचंद्र नागर,जगदीश जी मंडलीया, शिवनारायण कांवरिया,रामनिवास धाकड़,भेरूलाल वरवनिया नरेंद्र मंडावलीया,गोपाल कांकर,अशोक कासनिया,ईश्वरलाल कावरिया, गोविंद खमोरिया,दशरथ खमोरिया ईश्वर खमोरिया,दयाराम नागर,आदि उपस्थित थे।

गौतम परिवार ने सर्व समाज के 19 जोडो का निःशुल्क सामुहिक विवाह करवाया

केरल से आए दूल्हे ने रतलाम की युवती के साथ फेरे लिए

वर वधुओं का प्रोशसन बदनावर नगर में धुमधाम से निकला »»»3 हजार से अधिक लोगों ने विवाह में सहभागिता कर वर वधुओं को आर्शीवाद दिया »»»गौतम ने राजपुत धर्मशाला हेतु 5 लाख रु नगदी दान में दिये »»»सभी जोडों को आलमारी, पलंग सहित ग्रहस्थी की सामग्री देहज में दी गयी»»»बैजनाथ महादेव मंदिर परिसर में राजपूत समाज अध्यक्ष अंतर सिंह पवार एवं पप्पी बना को बालमुकुंद सिंह गौतम ने 5 लाख नगद राजपूत समाज धर्मशाला के निर्माण हेतु सहयोग के रूप में प्रदान की गई । ज्ञात हो कि राजपूत समाज धर्मशाला निर्माण हेतु भूमि भी बालमुकुंद सिंह गौतम द्वारा पूर्व में दान दी गई थी

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कांग्रेस के बालमुकुंदसिंह गौतम परिवार द्वारा आयोजित निशुल्क सामुहिक विवाह सम्मेलन बदनावर में 19 जोडे परिणय बंधन में बधे। नव दामम्त्य जीवन में प्रवेश करने के पहले सभी वर वधुओं का बदनावर नगर में प्रोशेसन आतिशबाजी करते हुए धुमधाम से निकाला गया। नगर में बाना निकालने के दौरान देपालपुर विधायक सत्यनारायण पटेल, बालमुकुंदसिह गोतम,जिला सहप्रभारी हेमन्त पाल, महिला कांग्रेस पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अर्चना जायसवाल, जिला पंचायत सदस्य शंकरसिंह चैहान, अजीतपालसिंह, अशोक डावर, निर्देश सोनगरा, मनोजसिंह गौतम, मोहन मुलाल्दा, पीथमपुर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधी सुरेश पटेल, उपाध्यक्ष पप्पु असोलिया, रईस बम, रत्नेश जागडे, सुनील सांखला, जीपीसिंह, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजेता त्रिवेदी, हरिनारायणसिंह पंवार, सुरेन्द्रसिंह नीमखेडा, आशीश भाकर, लियाकत पटेल, दिनेश रघुवंशी, मोहन कामदार, महिपालसिंह पंवार, निरंजनपालसिंह पंवार, कमलसिंह पटेल, सुरेश पाटीदार,अभिषेक टला, महेश पाटीदार, विनोद शर्मा , दिगविजयसिंह चुंडावत, धनशयामसिंह डोडिया, गजेन्द्र टेलर, रविराजसिंह चौहान, जयवर्धनसिंह गौतम, देवपालसिंह जादव, भरत पाटीदार मुंगेला, वरदीचन्द माली, ओम बना, जितेन्द्र चोधरी, अजीतसिंह गढी, अशोक पाटीदार वकील, घनश्याम पाटीदार, तुफानसिंह गोहिल, श्रीराम धाकड, राकेष चैधरी,यश मोदी,जिम्मी बना, ईश्वरसिंह भाटबांमदा, राधेश्याम तारोदिया,बाबुलाल भाटी, बालकृष्ण पाटीदार, चन्दन भुरिया, बबलु भाभर, संजय भुरिया, खेडा सरपंच योगेश मुकाती, अशोक पटेल, मनोज परमार, राहुल पाटीदार, हिरालाल मालवीय, धन्नालाल पाटीदार, अजीत गणावा, कृष्णा पंवार, निलेश चोहान, गोपाल पटेल, बाबुलाल भाटी, राधेश्याम पाटीदार, मुकेश होती, संदीप माहेश्वरी सहीत सेकडो लोग बारात में शामिल हुए।

उक्त विवाह समारोह में केरल निवासी राजेश पीएच ने रतलाम निवासी अंजलि पुरबिया के साथ सात फेरे लिए विवाह के पश्चात दोनों नव दंपति अत्यंत प्रसन्न नजर आए वह अपने नानाजी के साथ में शामिल होने आए थे। वर वधुओं का प्रोशेषन बेजनाथ महादेव मंदिर से प्रांरभ हुआ। सभी वर वधु फुलों से सुसज्जीत रथ में विराजित थे। बारात के नगर भ्रमण के दौरान नगर परिशद, पार्शद जगदीश पाटीदार, राजपुत समाज, पवन जैन सहित कई संस्थाओं द्वारा पुश्प वर्शा कर स्वागत किया गया। बारात में शामिल बालमुकुंदसिंह गौतम ने नगर भ्रमण के दौरान रहवासियों का अभिवादन भी किया गया।

सभी दम्पतीयों के विवाह की रस्म पाटीदार धर्मशाला खेडा में पं महेश पाराशर द्वारा मंत्रोपचार के साथ संपंन हुई। सभी वधुओं के पालक की भुमिका बालमुकुंदसिंह गौतम व पत्नि प्रभादेवीसिंह गौतम ने निभाते हुए कन्यादान किया गया। आयोजन में 3 हजार से अधिक लोगो ने शामिल होकर वर वधुओं आर्शीवाद दिया।

आयोजक बालमुकुंदसिंह गौतम ने कहा कि निशुल्क सामुहिक विवाह करने का उदेश्य दुल्हा दुल्हन के गरीब व परेषान माता पिता की परेशानी को समझ कर केवल उनका सहयोग करना मात्र है। कांगरे परिवार के सदस्यों ने केवल दो दिन में आयोजन को सफल बनाया। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना निरस्त होने से गरीब परिवार दुखी था। उसके दर्द को समझ कर सामुहिक विवाह का आयोजन किया गया। गौतम ने कहा भविश्य में 151 जोडों का सामुहिक विवाह करने का लश्य है। 19 नवदम्पती में अधिकांश जोडे मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में पंजीयन करवा चुके थे। कार्यक्रम का संचालन देवपालसिह जादव ने किया। जानकारी कांग्रेस मीडिया प्रभारी महेश पाटीदार ने दी।

मंत्री श्री सकलेचा ने मध्य प्रदेश में विदेशी व्यापारिक प्रतिनिधियों को व्यापार के लिए किया आमंत्रित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग ने नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय एसएमई कन्वेंशन में प्रमुख राज्य भागीदार के रूप में हिस्सा लिया। केंद्रीय सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय और विदेश मंत्रालय द्वारा इंडिया एसएमई फोरम के साथ अंतर्राष्ट्रीय एसएमई कन्वेंशन का तीसरा संस्करण आयोजित किया था।

अंतर्राष्ट्रीय एसएमई कन्वेंशन में 51 देशों के प्रतिनिधियों सहित 1700 से अधिक व्यापार प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। यह कन्वेंशन दुनिया भर के प्रगतिशील उद्यमियों के बीच विचार-विमर्श के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराती है। इसका उद्देश्य दुनियाभर में छोटे और मध्यम उद्यम के बीच प्रासंगिक व्यापार साझेदारी और व्यापार हेतु अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा देना है।

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम एवं विज्ञान प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओम प्रकाश सकलेचा ने विभिन्न देशों से आए शासकीय और व्यापारिक प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। इसमें इसमें संयुक्त राज्य अमेरिका, वेनेजुएला, क्यूबा, ग्वाटेमाला, संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन आदि के प्रतिनिधि शामिल थे। प्रतिनिधियों के साथ चर्चा में दोनों देशों के बीच व्यापारिक अवसर और सहयोग (विशेषकर मध्य प्रदेश के संदर्भ में) शामिल थी।

बड़ौद विकास खण्ड में हुई अल्पविराम की एक दिवसीय कार्यशाला

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य आनंद संस्थान मध्य प्रदेश के आनंद विभाग द्वारा प्रदेश भर में संचालित प्रमुख कार्यक्रम अल्पविराम की एक दिवसीय कार्यशाला विकासखंड बड़ौद में जनपद पंचायत सभागार में आयोजित की गई । कार्यशाला के प्रारंभ में जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जसपाल सिंह और प्रतिभागी आनंदकों ने दीप प्रज्वलन किया। मास्टर ट्रेनर मनीष परमार ने आनंद विभाग और उसकी गतिविधियों का परिचय दिया। जसपाल सिंह ने अपने विचार रखते हुए अनुभव कथन में कहा कि इस समय जीवन में कार्य की अधिकता से बहुत अधिक तनाव बढ़ गया है और ऐसे समय में इस प्रकार के आयोजन बहुत ही बढ़िया है । प्रेरणा गीत हमको मन की शक्ति देना से कार्यशाला को गति प्रदान की गई । इसके पश्चात परिचय वीडियो दिखाया गया। मनीष परमार ने आनंद की ओर सत्र से आरंभ करके सहभागियों को अल्पविराम की अवधारणा से जोड़ा। आनंद क्या है ? कैसे बढ़ता है ? कैसे घटता है? इन प्रश्नों पर अल्पविराम लेकर सभी ने अपने अनुभव साझा किए। इसके पश्चात जीवन का लेखा जोखा के चारों बिंदुओं पर बातचीत करते हुए मास्टर ट्रेनर कैलाश भावसार ने आनंदकों से चर्चा करते हुए किस प्रकार दूसरों के द्वारा दिए गए दुःख या हमारे द्वारा अन्य लोगों को दिए गए दुःख को क्षमा करके और क्षमा मांगकर तथा दूसरों के द्वारा हमारी की गई मदद के लिए कृतज्ञता प्रकट करके किस प्रकार आनंद को बढ़ाया जा सकता है। इन बिंदुओं पर अपने तथा सभी के अनुभव साझा किये। मदद तथा रिश्तो के महत्व से संबंधित वीडियो के माध्यम से चर्चा की गई । समापन सत्र में जनपद शिक्षा केंद्र के विकासखंड स्त्रोत समन्वयक शिवनारायण भिलाला ने अपने जीवन के अनुभव सुनाते हुए किस प्रकार छोटी-छोटी बातों में लोगों की मदद करके तथा अपने सद्व्यवहार के साथ अपने कार्यक्षेत्र और पारिवारिक , सामाजिक जीवन में आनंदित रहने की बात कही। अंत में कार्यशाला के पास मेला ग्राउंड में लगे मेले में स्वल्पाहार और फेमस आइसक्रीम का आनंद लिया और कार्यशाला का आनंदमय समापन हुआ। इस अवसर पर आनंद क्लब के आनंद सहयोगी गोवर्धन सिंह , आँजना, उमाशंकर शर्मा , मणिशंकर शर्मा , पिंटू बैरागी , सुरेश राठौर, बंटी परमार आदि ने उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाया। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के सीएचओ , शिक्षा विभाग के शिक्षक, जन अभियान परिषद के कार्यकर्ता और जनपद पंचायत के कर्मचारी उपस्थित थे।

सार समाचार

जिला अस्पताल झाबुआ में विश्व जल दिवस मनाया गया

आम जनता को रांगोली के माध्यम से जल के महत्त्व का संदेश दिया

झाबुआ /माणक लाल जैन/दैनिक मालावा हेराल्ड। विश्व जल दिवस 22 मार्च के उपलक्ष्य में आज जिला अस्पताल झाबुआ में रांगोली बना कर मनाया गया। रांगोली के माध्यम से जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों और उनके एटेंडरो को जल के महत्त्व के बारे में संदेश दिया और समझाया कि जल को बचाएं कल अपना सजाएं। सब को ये बताएं पानी व्यर्थ ना बहाएं। इस अवसर पर आरएमओ डॉ सावन सिंह चौहान अस्पताल प्रबंधक भारत सिंह बिलवाल मेट्रन श्रीमती कमला व्यास, रांगोली टीम श्रीमती प्रीति डामोर नर्सिंग ऑफिसर्स, कु.प्रीति डामोर नर्सिंग आफिसर्स, कु.पायल राणा नर्सिंग ऑफिसर्स कु शाहीन मंसूरी नर्सिंग ऑफिसर्स एवं मरीज के एटेंडर्स उपस्थित रहे। साथ ही साथ सिविल अस्पताल पेटलावद में भी विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में डॉ राहुल गणावा के मार्गदर्शन में आम जनता को रांगोली के माध्यम से जल के महत्त्व का संदेश दिया।

हायर सेकण्डरी वर्ष 2023 के परीक्षा कार्यक्रम में 24 मार्च 2023 के तीन विषयों की तिथियों में परिवर्तन

झाबुआ /माणक लाल जैन/दैनिक मालावा हेराल्ड। माध्यमिक शिक्षा मण्डल म.प्र. द्वारा जारी हायर सेकण्डरी वर्ष 2023 के परीक्षा कार्यक्रम में 24 मार्च 2023 के तीन विषयों की तिथियों में परिवर्तन किया गया है। ड्राइंग एण्ड डिजाइनिंग शनिवार 25 मार्च 2023, समाजशास्त्र सोमवार 3 अप्रैल 2023 एवं मनोविज्ञान बुधवार 5 अप्रैल 2023 को संचालन किया जाएगा। उक्त तीनों प्रश्न पत्र की परीक्षा उक्त परिवर्तित तिथियों में संचालित की जाएगी। पूर्व में जारी तिथि दिनांक 24.03.2023 को कदापि प्रश्न पत्र के पैकेट केन्द्र पर लाकर नहीं खोले जाएंगे।

महिला सशक्तिकरण दिवस 23 मार्च को महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

झाबुआ /माणक लाल जैन/दैनिक मालावा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन आयुष विभाग एवं कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह के निर्देशन में जिला आयुष अधिकारी डॉं प्रमीला चौहान के द्वारा बताया गया कि दिनांक 23 मार्च , 2023 गुरुवार को आयुषि- स्वस्थ्य नारी, सशक्त नारी (महिला सशक्ति करण दिवस) के उपलक्ष्य में आयुष महिला स्वास्थ्य शिविर का आयोजन सांची पाइंट के पास बस स्टैंड पर समय 11 बजे आयोजित किया जा रहा है अतः अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति होकर बच्चे, गर्भवती महिलाओ , एवं महिलाओं, किशोरी बालिकाओ में होने वाले रोग जैसे कमजोरी, एनिमीया , उदर रोग, जोड़ो का दर्द , मासिक धर्म की अनियमितता , लयूकोरिया , बंधत्तव, PCOD, एवं स्वास्थ्य शिविर का लाभ लेवे।

40 वर्ष बाद उप डाकघर को मिला अपना भवन, पोस्ट मास्टर जनरल ने फीता काटकर किया लोकार्पण

सोयत कला /विष्णु जाटव/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोयत नगर में किराए के भवन में संचालित हो रहे उप डाकघर को 40 वर्ष बाद छत्रीचौक पर अपना निजी भवन मिल गया। बुधवार को पोस्ट मास्टर जनरल बृजेश कुमार इंदौर ने फीता काटकर नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। पोस्ट मास्टर जनरल ने कहा भारत सरकार द्वारा जनता की सेवा के उद्देश्य से कई प्रकार की घोषणा धरातल पर लाई गई है । इस मौके पर सहायक निर्देशक जगदीश प्रसाद शर्मा इंदौर, प्रवर अधीक्षक एसके ठाकरे उज्जैन, उप संभागीय निरीक्षक उप आगर मालवा कमल बलोदिया सहित नगर परिषद उपाध्यक्ष राजेश बैरागी, पार्षद प्रतिनिधि राजेश जायसवाल सहित नगर के गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

हिंदू युवा उत्सव समिति ने नगर में निकाली भगवा वाहन रैली, भगवा ध्वज हाथों में लिए युवा डीजे पर जमकर थिरके

सोयत कला /विष्णु जाटव/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुड़ी पड़वा व हिंदूनव वर्ष के अवसर पर हिंदू युवा उत्सव समिति द्वारा नगर में भगवा वाहन रैली का आयोजन किया । वाहन रैली की शुरुआत शिवाजी नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर से हुई जो नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई चौसठ माता मंदिर पहुंची जहां माता की महाआरती उतारकर रैली का समापन किया। भगवा रैली का नगर वासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। भगवा बाइक रैली में युवा हाथों में भगवा ध्वज लेकर जमकर थिरके। सुरक्षा की दृष्टि से थाना प्रभारी लक्ष्मण देवड़ा ने नगर के प्रमुख चौक चौराहे पर जगह जगह पुलिस बल तैनात किया। स्वयं थाना प्रभारी देवड़ा ने मोबाइल थाना वाहन में बैठकर हुड़दंगियों पर नजर रखी।

अज्ञात कारणों के चलते खेत में लगी आग, चारा व जलाऊ लकड़ी जलकर हुई खाक

सोयत कला /विष्णु जाटव/दैनिक मालवा हेराल्ड। समीप ग्राम लोहारिया में मंगलवार रात 8:30 बजे विष्णु प्रसाद पिता कवरलाल दागी निवासी लोहारिया के खेत पर अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। जिसमें 3 ट्राली चारा व दो ट्राली जलाऊ लकड़ी जलकर खाक हो गई ।सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची तथा आग पर काबू पाया। आगजनी से किसान को करीब 50 हजार का नुकसान हुआ है । किसान की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की । पटवारी जयेश तिवारी ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा की कार्यवाही की।

बाबा महाकाल को लगाया सवा लाख के 1008 हापुस आम का भोग

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पुणे के निवासी श्री महाकालजी के परम भक्त डॉ. सागर, साधना, साराध्य, साध्या कोलते द्वारा गुड़ी पड़वा के शुभ अवसर पर बाबा श्री महाकालजी को सवा लाख रूपये के 1008 हापुस आम का भोग लगाया गया।पंचमेवे के भोग के साथ में डॉ. कोलते परिवार द्वारा लगाए गए आम के भोग में एक शुध्द सोना और शुध्द रजत के वर्क लगी हुई अतिरिक्त हापुस आम की पेटी बाबा श्री महाकालजी को अर्पित की गई।

3 साल बढ़े हैं सबसे आगे खड़े हैं
देख रहा है सारा देश-सबसे आगे मध्यप्रदेश

G20 भारत 2023 INDIA वसुधैव कुटुम्बकम् ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले
वतन पर मिटने वालों का यही बाक़ी निशाँ होगा

युवा महापंचायत

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

युवा नीति
लाँच

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
द्वारा
23 मार्च, 2023
दोपहर 12 बजे
मोतीलाल नेहरू स्टेडियम, भोपाल

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents DDMP @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी D11252/22

सम्पादकीय

चीन का शांति प्रस्ताव

क्या रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता करा सकता है चीन ड्रैगन के प्रस्ताव में कोई दम है या बस टाइमपास, मंगलवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ऐक्शन में, पीएम मोदी पर दुनिया की नजरें

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की तीन दिवसीय रूस यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कुछ ज्यादा ही मुश्किलों में घिरे नजर आ रहे हैं। बीते शुक्रवार ही इंटरनैशनल क्रिमिनल कोर्ट ने यूक्रेनी बच्चों को कथित तौर पर गैरकानूनी रूप से रूस भेजे जाने के मामले में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वॉरंट जारी किया। ऐसे में चीनी राष्ट्रपति की यात्रा ने यूक्रेन युद्ध के संदर्भ दोनों देशों की नजदीकियों को नए सिरे से रेखांकित किया है। जिनपिंग अपने बयान में इस पहलू पर जोर देते नजर भी आए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों ने अपने रिश्तों को 'कोई गुटबंदी नहीं, कोई टकराव नहीं और किसी तीसरी पार्टी पर निशाना नहीं' के आधार पर विकसित किया है। जाहिर है, उनका परोक्ष निशाना क्वॉड जैसे मंचों पर था, जिसे चीन अपने खिलाफ गुटबंदी बताता रहा है। बहरहाल, चीनी राष्ट्रपति की इस यात्रा का दूसरा और ज्यादा अहम पहलू यूक्रेन युद्ध बंद कराने में उनकी मध्यस्थता से जुड़ा है। जिनपिंग अपनी 12 सूत्रीय शांति योजना भी साथ लेकर आए हैं, जिसमें दोनों पक्षों के बीच बातचीत की अपील और सभी देशों की क्षेत्रीय संप्रभुता का सम्मान करने की बात है।

रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने अपनी तरफ से चीन के इन शांति प्रस्तावों को लेकर न सिर्फ उत्सुकता दिखाई बल्कि इसके प्रति सम्मान भी दर्शाया है। यूक्रेन ने भी औपचारिक बयान में कहा है कि चीन, रूस पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए युद्ध समाप्त करवाए। लेकिन इन पॉजिटिव बयानों के बावजूद चीनी शांति प्रयासों की कामयाबी की ज्यादा उम्मीद नहीं दिख रही। वजह यह है कि पुतिन ने इन शांति प्रयासों को अहमियत देने की जितनी भी कोशिश की हो, यह साफ नहीं किया है कि वह इसे स्वीकार करने की दिशा में कितना आगे बढ़ने को तैयार हैं।

सफलता और अध्यात्म – क्या ये दोनों कभी एक साथ मिल सकते हैं?

उन्होंने चर्चा की बात जरूर कही है, लेकिन यह देखना बाकी है कि रूस, यूक्रेन से अपनी सेना वापस बुलाने और कब्जे में लिए गए यूक्रेनी इलाकों को वापस लौटाने जैसे मसलों पर क्या कहता है। दूसरी और ज्यादा बड़ी दिक्कत यह है कि चीन भले खुद को निष्पक्ष बता रहा हो, अमेरिका और पश्चिमी देश उसे रूस के करीबी के ही रूप में चित्रित कर रहे हैं।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन ने अपने ताजा बयान में बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि चीन या किसी भी अन्य देश के समर्थन से अपनी शर्तों पर युद्धविराम की रूसी चाल से दुनिया को बेवकूफ नहीं बनाया जा सकता। इसमें दो राय नहीं कि सऊदी अरब और ईरान के बीच राजनयिक संबंधों की बहाली करवाने में कामयाबी से चीन का मनोबल बढ़ा हुआ है, लेकिन यूक्रेन में शांति कायम करने की राह में अभी भी कई बड़ी मुश्किलें हैं। देखना होगा कि चीन इन्हें दूर करने में कितना सफल हो पाता है।

द्वितीय नवरात्रि - मां ब्रह्मचारिणी की आराधना तथा स्वाधिष्ठान चक्र को जागृत करने का अद्वितीय अवसर

दधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

मां दुर्गा की नौ शक्तियों में से दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। ब्रह्मचारिणी देवी का स्वरूप पूर्ण ज्योतिर्मय एवं अत्यंत भव्य है। इनके बाएं हाथ में कमण्डल और दाएं हाथ में जप की माला रहती है। मां दुर्गा का यह स्वरूप भक्तों और सिद्धों को अनंत फल प्रदान करने वाला है। इनकी उपासना से मनुष्य में तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार और संयम की वृद्धि होती है। इस दिन साधक का मन स्वाधिष्ठान चक्र में स्थित होता है।

मानव के शरीर में स्वाधिष्ठान चक्र, रचनात्मकता, कलात्मकता, सृजनात्मक शक्ति के लिए जाना जाता है। श्री माताजी निर्मला देवी जी ने स्वाधिष्ठान चक्र के संबंध में वर्णन किया है कि-

ब्रह्मदेव की सृजनात्मक शक्ति उनकी संगिनी (शक्ति) सरस्वती के रूप में इस चक्र पर अवतरित होती हैं । वे ज्ञान और विद्या की देवी हैं ... मनुष्य को ज्ञान का सच्चा अर्थ समझाने के लिए उनकी ये छवि प्रकट होती है । प्रायः उनके एक हाथ में वीणा होती है जो इस बात की प्रतीक है कि ज्ञानवान व्यक्ति को ईश्वरी संगीत का ज्ञान होना आवश्यक है । भारतीय शास्त्रीय संगीत मूल आदि नाद (ब्रह्मनाद) पर आधारित है ।..... अत = इस चक्र पर ये देवी वीणा के साथ दिखाई देकर ये सुझाती हैं कि यदि आप विद्वान हैं तो आपको संगीत का ज्ञान होना भी आवश्यक है । केवल इतना ही नहीं , विद्वान व्यक्ति को नीरस न होकर सृजनात्मकता के सौन्दर्य (माधुर्य) का आनन्द उठाने वाला होना चाहिए । अपने दूसरे हाथ में वे माला धारण करती हैं । इस प्रकार ये सुझाती हैं कि ज्ञानार्थी व्यक्ति को परमात्मा में श्रद्धा होनी चाहिए और वह परमात्मा के शाश्वत प्रेम की सराहना करने वाला होना चाहिए।

अतः साधक को , विद्या के भक्ति पक्ष में कुशल होना आवश्यक है । उसके अध्ययन मुख्य उद्देश्य शाश्वत सत्य की खोज होना आवश्यक है । सच्चे भक्त की यही पहचान है कि वह विवेक खोजता है , सतही ज्ञान नहीं । अपने तीसरे हाथ में देवी सरस्वती ज्ञान की पुस्तक धारण करती हैं और इस प्रकार सुझाती हैं कि विद्वान व्यक्ति को ज्ञान साधना में खोजे गये शाश्वत सत्यों के विषय में ग्रन्थों का सृजन करना चाहिए ।

(परम पूज्य माता जी के ग्रंथ श्रजन से साभार)

इस चक्र के असंतुलन के कारण अनेक प्रकार की बीमारियां भी हो सकती हैं, जिसको सहजयोग में राइट साइडेड बीमारियां कहते हैं। जैसे कि लिवर की समस्या, डायबिटीज, किडनी ट्रबल, अस्थमा, कॉन्स्टिपेशन हो सकता है, अधिक समस्या होने पर हार्ट अटैक या पैरालिसिस जैसी परेशानी भी हो सकती है। ये राइट साइडेड बिमारियां होती हैं वो राइट स्वाधिष्ठान चक्र से आती है । लेफ्ट स्वाधिष्ठान चक्र में जब खराबी आती है, तो मनुष्य चिंतित हो जाता है,। बड़ा दुःखी हो जाता है, डिप्रेशन में आ जाता है और वो सोचता है कि मुझसे बुरा कोई नहीं, मैं ही सबसे ज्यादा दुःखी और परेशान हूं ।स्वाधिष्ठान चक्र जब संतुलित हो जाता है तो मनुष्य का चित्त एकदम स्वच्छ हो जाता है उसका सारा स्ट्रैस और बिमारियां खत्म हो जाती हैं और वो शांति में विराजमान हो जाता है। अतः इस नवरात्रि स्वाधिष्ठान चक्र के संतुलन को स्थापित करने के लिए कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करने हेतु www.sahajayoga.org.in और टोल फ्री नम्बर 18002700800 पर सम्पर्क करें।

आज इस मंत्र से करें मां ब्रह्मचारिणी की आराधना, पढ़ें विधि, मंत्र और प्रसाद

नवरात्र का तीसरे दिन करें मां चंद्रघंटा की पूजा, रखें इन बातों का ध्यान

दूसरे नवरात्रि में मां के ब्रह्मचारिणी एवं तपश्चारिणी रूप को पूजा जाता है। देवी ब्रह्मचारिणी की उपासना से मनुष्य में तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम की वृद्धि होती है। जीवन की कठिन समय मे भी उसका मन कर्तव्य पथ से विचलित नहीं होता है। देवी अपने साधकों की मलिनता, दुर्गणों व दोषों को खत्म करती है।

देवी की कृपा से सर्वत्र सिद्धि तथा विजय की प्राप्ति होती है। जो साधक मां के इस रूप की पूजा करते हैं उन्हें तप, त्याग, वैराग्य, संयम और सदाचार की प्राप्ति होती है और जीवन में वे जिस बात का संकल्प कर लेते हैं उसे पूरा करके ही रहते हैं।

प्रसाद- मां भगवती को नवरात्र के दूसरे दिन चीनी का भोग लगाना चाहिए मां को शक्कर का भोग प्रिय है। ब्राह्मण को दान में भी चीनी ही देनी चाहिए। मान्यता है कि ऐसा करने से मनुष्य दीर्घायु होता है।

इनकी उपासना करने से मनुष्य में तप, त्याग, सदाचार आदि की वृद्धि होती है।ब्रह्मचारिणी देवी की पूजा नवरात्रि के दूसरे दिन की जाती है। देवी ब्रह्मचारिणी का स्वरूप ज्योर्तिमय है। ये मां दुर्गा की नौ शक्तियों में से दूसरी शक्ति हैं। तपश्चारिणी, अपर्णा और उमा इनके अन्य नाम हैं। इनकी पूजा करने से सभी काम पूरे होते हैं, रुकावटें दूर हो जाती हैं और विजय की प्राप्ति होती है। इसके अलावा हर तरह की परेशानियां भी खत्म होती हैं।

ब्रह्मचारिणी देवी की पूजा विधि- देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा करते समय सबसे पहले हाथों में एक फूल लेकर उनका ध्यान करें और प्रार्थना करते हुए नीचे लिखा मंत्र बोलें।

श्लोक

दधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डल।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा ।।

ध्यान मंत्र

वन्दे वांछित लाभायचन्द्रार्घकृतशेखराम्।
जपमालाकमण्डलु धराब्रह्मचारिणी शुभाम्॥

गौरवर्णा स्वाधिष्ठानस्थिता द्वितीय दुर्गा त्रिनेत्राम्।
धवल परिधाना ब्रह्मरूपा पुष्पालंकार भूषिताम्॥

परम वंदना पल्लवराधरां कांत कपोला पीन।
पयोधराम् कमनीया लावणयं स्मेरमुखी निमननाभि नितमबनीम्॥

इसके बाद देवी को पंचामृत स्नान कराएं, फिर अलग-अलग तरह के फूल,अक्षत, कुमकुम, सिन्दुर, अर्पित करें। देवी को सफेद और सुगंधित फूल चढ़ाएं।

इसके अलावा कमल का फूल भी देवी मां को चढ़ाएं और इन मंत्रों से प्रार्थना करें।

1. या देवी सर्वभूतेषु मां ब्रह्मचारिणी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

2. दधाना कर पद्माभ्याम अक्षमाला कमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मई ब्रह्मचारिण्यनुत्तम्।।

इसके बाद देवी मां को प्रसाद चढ़ाएं और आचमन करवाएं। प्रसाद के बाद पान सुपारी भेंट करें और प्रदक्षिणा करें यानी 3 बार अपनी ही जगह खड़े होकर घूमें। प्रदक्षिणा के बाद घी व कपूर मिलाकर देवी की आरती करें। इन सबके बाद क्षमा प्रार्थना करें और प्रसाद बांट दें।

प्रत्येक सर्वसाधारण के लिए आराधना योग्य यह श्लोक सरल और स्पष्ट है। मां जगदमबे की भक्ति पाने के लिए इसे कंठस्थ कर नवरात्रि में द्वितीय दिन इसका जाप करना चाहिए।

या देवी सर्वभूतेषु मां ब्रह्मचारिणी रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

अर्थ - हे मां! सर्वत्र विराजमान और ब्रह्मचारिणी के रूप में प्रसिद्ध अमबे, आपको मेरा बार-बार प्रणाम है। या मैं आपको बारंबार प्रणाम करता हूं।

जय अंबे ब्रह्माचारिणी माता

नवरात्र का तीसरे दिन करें मां चंद्रघंटा की पूजा, रखें इन बातों का ध्यान

चैत्र नवरात्रि का आज तीसरा दिन है और इस दिन मां आदि शक्ति के तीसरे स्वरूप चंद्रघंटा की पूजा की जाती है। देवी भागवत पुराण के अनुसार, मां का यह स्वरूप शांतिदायक और कल्याणकारी है। चंद्रघंटा देवी के वंदन, पूजन और स्तवन करने का विधान है। इन देवी के मस्तक पर घंटे के आकार का अर्ध चंद्रमा विराजमान है इसीलिए इनका नाम चंद्रघंटा पड़ा। मां के इस स्वरूप के दस हाथ माने गए हैं और ये खड्ग आदि विभिन्न अस्त्र और शस्त्र से सुसज्जित हैं। माना जाता है कि देवी के इस रूप की पूजा करने से मन को अलौकिक शांति प्राप्त होती है और इससे न केवल इस लोक में अपितु परलोक में भी परम कल्याण की प्राप्ति होती है।

धर्म

पं. सतीश नागर
श्री अन्नपूर्णा अनुष्ठान केन्द्र
मो. 9753585323

सभी असुरों का नाश करती हैं मां चंद्रघंटा

मां चंद्रघंटा के वंदन से मन को परम सूक्ष्म ध्वनि सुनाई देती है जो मन को बहुत शांति प्रदान करती है। चूंकि इनका वर्ण स्वर्ण जैसा चमकीला है और यह हमेशा आसुरिक शक्तियों के विनाश के लिए सदैव तत्पर रहती हैं, इसलिए इनकी आराधना करने वाले को भी अपूर्व शक्ति का अनुभव होता है। मां चंद्रघंटा की पूजा करने से भक्तों को तेज और ऐशवर्य की प्राप्ति होती है। मां के घंटे की ध्वनि अपने भक्तों को सभी प्रकार की प्रेतबाधाओं से दूर रखती है।

मां चंद्रघंटा का मंत्र

मां चंद्रघंटा की पूजा में दूध या दूध से बने व्यंजनों का प्रयोग कल्याणकारी माना गया है। मां को लाल सेब व शहद का भी भोग लगाया जा सकता है। साथ ही माता को लाल रंग बहुत प्रिय है इसलिए पूजा के समय लाल रंग के कपड़े पहनें।

इनकी पूजा अर्चना के लिए निमन मंत्र बताया गया है।

पिण्डज प्रवरारूढा चण्डकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते महयं चन्द्रघण्टेति विश्रुता।।

अर्थात् श्रेष्ठ सिंह पर सवार और चंडकादि अस्त्र शस्त्र से युक्त मां चंद्रघंटा मुझ पर अपनी कृपा करें।

वन्दे वांछित लाभाय चन्द्रार्धकृत शेखरम्।
सिंहारूढा चंद्रघंटा यशस्वनीम्॥

मणिपुर स्थितां तृतीय दुर्गा त्रिनेत्राम्।
रंग, गदा, त्रिशूल,चापचर,पदम् कमण्डलु माला वराभीतकराम्॥

ऐसा है मां चंद्रघंटा का स्वरूप

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति का नाम चंद्रघंटा है और इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला और वाहन शेर है। इनकी उपासना से भक्तगण समस्त सांसारिक कष्टों से छूटकर आसानी से सफल हो जाते हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष, बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र हैं और सिंह पर मां का वाहन है। इनके कंठ में श्वेत पुष्प की माला और शीर्ष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान है। साथ ही मां युद्ध की मुद्रा में विराजमान रहती है। मां तंत्र साधना में मणिपुर चक्र को नियंत्रित करती हैं और ज्योतिष में इनका संबंध मंगल ग्रह से है।

अभय प्रदान करती हैं माता चंद्रघंटा

मां का पहला और दूसरा स्वरूप भगवान शंकर को प्राप्त करने के लिए है, जब मां भगवान शंकर को पति रूप में प्राप्त कर लेती हैं तब आदिशक्ति के रूप में आ जाती हैं। देवी पार्वती के जीवन में तीसरी सबसे बड़ी घटना के रूप में उनको प्रिय वाहन वाघ प्राप्त होता है। इसलिए माता बाघ पर सवार होकर भक्तों को अभय प्रदान करती हैं। साथ ही माता की कृपा से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं और भय, बाधा व कष्ट दूर हो जाते हैं। मां अपने भक्तों के कष्टों का निवारण अतिशीघ्र करती हैं।

गुरुवार, 23 मार्च 2023-आज कई राशियों को मिलेंगे लाभ के अवसर, जानें किसे मिलेगा भाग्य का साथ

मेष राशि

आज का भविष्य - कम प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। रोजगार में वृद्धि होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट में सोच-समझकर निवेश करें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। कुसगंति से हानि होगी।

उपाय-आज श्री विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करें।
शुभ अंक-4
शुभ रंग-लाल

वृषभ राशि

आज का भविष्य - दुष्टजनों से सावधान रहें, हानि पहुंचा सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। कहीं से बुरी खबर मिल सकती है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय बनी रहेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। आज के काम कल पर नहीं टालें। विवेक का प्रयोग करें। लाभ होगा।

उपाय-आज सूर्य देव को जल चढ़ाएं।
शुभ अंक-5
शुभ रंग-हरा

मिथुन राशि

आज का भविष्य - जल्दबाजी में कोई भी लेन-देन न करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। फालतू खर्च होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। नौकरी में अधिकार बढ़ेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

उपाय-जातक ऊ दुं दुर्गायै नमः इस मंत्र का जप करें।
शुभ अंक-2
शुभ रंग-लाल

कर्क राशि

आज का भविष्य - भाग्य का साथ मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी के स्वास?थ्य पर खर्च होगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। चिंता तथा तनाव में वृद्धि होगी। किसी अपरिचित व्यक्ति पर अंधविश्वास न करें। समय नेष्ट है। नकारात्मकता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी।

उपाय-जातक आज सूर्य देव को रोजाना जल चढ़ाएं।
शुभ अंक-8
शुभ रंग-हरा

सिंह राशि

आज का भविष्य - शत्रु शांत रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग मिलेगा। नए कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

उपाय-आज जातक मां दुर्गा की आराधना करें
शुभ अंक-5
शुभ रंग-सफेद

कन्या राशि

आज का भविष्य - संतान पक्ष से स्वास?थ्य तथा अध्ययन संबंधी चिंता रहेगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यशैली में परिवर्तन करना पड़ सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। शेयर मार्केट व मयुचुअल फंड मनोनुकूल लाभ देंगे।

उपाय-जातक हनुमान जी की आराधना करें।
शुभ अंक-5
शुभ रंग-आसमानी

तुला राशि

आज का भविष्य - थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। सुख के साधनों की प्राप्ति हो सकती है। धन प्राप्ति सुगम होगी।

उपाय-जातक आज शनि देव की पूजा करें
शुभ अंक-5
शुभ रंग-गुलाबी

वृश्चिक राशि

आज का भविष्य - प्रेम-प्रसंग में हड़बड़ी न करें। विवाद हो सकता है। नकारात्मकता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। युवक व युवती विशेष सावधानी बरतें। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। आय में निश्चितता रहेगी।

उपाय-जातक आज पीपल के वृक्ष पर जल चढ़ाएं।
शुभ अंक-6
शुभ रंग-लाल

धनु राशि

आज का भविष्य - कानूनी बाधा संभव है। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धनहानि किसी भी तरह हो सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ में वृद्धि होगी।

उपाय-जातक आज रोजाना केसर का तिलक लगाएं।
शुभ अंक-7
शुभ रंग-हरा

मकर राशि

आज का भविष्य - कोई ऐसा कार्य न करें जिससे अपमान हो। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधनों पर व्यय होगा। स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं। प्रॉपर्टी के काम बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। नौकरी में सुख-शांति रहेंगे। निवेश में सोच-समझकर हाथ डालें।

उपाय-जातक देवी दुर्गा की आराधना करें।
शुभ अंक-4
शुभ रंग-गहरा लाल

कुंभ राशि

आज का भविष्य - आंखों को रोग व चोट से बचाएं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। मनोरंजक यात्रा की आयोजना हो सकती है। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। मित्र व संबंधियों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। कारोबार मनोनुकूल रहेगा। जोखिम न लें।

उपाय-आज जातक लाल कपड़ा दान में दें।
शुभ अंक-5
शुभ रंग-सफेद

मीन राशि

आज का भविष्य - आज भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। भागदौड़ रहेगी। जोखिम न लें। कष्ट, भय, चिंता तथा तनाव का वातावरण बन सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों के काम में हस्तक्षेप न करें। दु-खद समाचार प्राप्त हो सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी।

उपाय-आज गुरुवार का व्रत करें।
शुभ अंक-2
शुभ रंग-लाल

सदैव प्रसन्न रहिये।
जो प्राप्त है, पर्याप्त है।।

(गहन चिंतन आवश्यक)

अंधविश्वास क्या हम पुरातन काल में जी रहे हैं, समाज के लिए घातक

अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी हैद्य यदि अशिक्षित मनुष्य धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात कुछ थोड़ी देर के लिए समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात हैद्य यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है।

शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता हैद्य उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक हैद्य शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिएद्य बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलतः अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र के विश्वास में आकर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों की बलि देने से भी नहीं परहेज करता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास तथा कट्टरपंथ का लाभ समाज के कुछ चालबाज तथा धोखेबाज लोग उठाते हैं और यही लोग इन अंधविश्वासी लोगों को भूत, प्रेत ,राहु केतु,काल सर्प दोष इत्यादि का भय दिखाकर पूजा पाठ तंत्र मंत्र के नाम से हजारों रुपए लूट लेते हैं। यह सिर्फ गांव में ही नहीं हो रहा है यह शहरों में भी बुरी तरह व्याप्त है तंत्र मंत्र तथा भूत प्रेत से छुटकारा भारत के कस्बों तथा गांव में एक व्यवसाय के रूप में विकसित हो गया है जो देश के लिए एक बड़ी विसंगति और विडंबना है। ऐसे तंत्र मंत्र और भविष्य के दर्शन कराने वाले तांत्रिकों का विज्ञापन न सिर्फ बड़े-बड़े अखबारों में बल्कि स्थापित टीवी चैनलों में भी खुल कर दिया जाता है जिससे न सिर्फ अनपढ़, अंधविश्वासी बल्कि शिक्षित लोग भी झांसे में आकर बड़ी धनराशि से हाथ धो बैठते हैं। विकसित यूरोपीय देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, फ्रांस, इजरायल तथा अन्य देशों में भी अंधविश्वास व्याप्त है किंतु भारत में अशिक्षा के कारण इसकी जड़ें थोड़ी गहरी व्याप्त हैं। शिक्षा के प्रचार-प्रसार तथा मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अंधविश्वास को जनमानस तथा देर से दूर किया जा सकता है किंतु मूल रूप से प्राथमिक शिक्षा को एक सशक्त माध्यम रखकर अंधविश्वास एवं धार्मिक कट्टरता के विरोध में बातें रखी जाए तो देश एक अंधविश्वास मुक्त राष्ट्र बन सकता है।

संजीव ठाकुर

-संजीव ठाकुर, स्तंभकार, चिंतक, लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़

आए नवराते माता के...शुभमुहूर्त में हुई घटस्थापना

मां राजराजेश्वरी मंदिर प्रांगण में शुरू हुआ 15 दिवसीय मेला

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गुड़ी पड़वां पर हिंदू नववर्ष के साथ चैत्र नवरात्रि की शुरूआत हो गई। बुधवार को शुभ मुहूर्त में देवी मंदिरों में घट स्थापना की गई। वहीं शाम को मां राजराजेश्वरी मंदिर प्रांगण में 15 दिवसीय मेले का आयोजन भी शुरू हो गया। इस बार भी मंदिर में विशेष विद्युत सज्जा की गई है, जो आकर्षण का केंद्र है।

बुधवार को प्रातः 8 बजे शुभ मुहूर्त में मेला विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष माखनसिंह चौहान, कलेक्टर दिनेश जैन, नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष संतोष जोशी, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक सहित नगर पालिका के सभापति और पार्षदों की उपस्थिति में विधि-विधान के साथ घट स्थापना की गई। इसके बाद सभी अतिथियों ने माता की आरती कर आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालू भी उपस्थित थे। मां राजराजेश्वरी मंदिर में नवरात्रि के नौ दिनों तक माता का विशेष श्रृंगार व पूजन किया जाएगा। प्रतिदिन सुबह 5 बजे व रात 9 बजे माता की आरती की जाएगी। नवरात्र प्रारंभ होते ही देवी मंदिर में भक्तों का तांता भी लगने लगा है। धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ मंदिर परिसर में बहुप्रतीक्षित मेले का आयोजन भी शुरू हो गया है। जहां नगर सहित आसपास के जिले से भी व्यापारी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके है। केवल झूले ही नहीं बल्कि रोजमर्रा सहित मनोरंजन के विभिन्न साधन लेकर भी अन्य शहरों के कई व्यापारी यहां पहुंचे हैं, जिन्हें उचित स्थान देने के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। मेले में मेले में झूले सबसे अधिक आकर्षण का केंद्र रहेंगे। क्योंकि प्रतिवर्ष झूलों पर ही लोगों की सबसे अधिक निगाहें रहती है। मेला आयोजन समिति सदस्यों का कहना है कि इस बार भी जिलेवासियों के लिए ब्रेक डांस, चकरी, पालकी झूला सहित कई नए झूले मेले में आए है। मेले में बच्चों के पसंदीदा भी दर्जनों झूले व मनोजरंजन के साधन उपलब्ध हैं।

यहां भी हुई घट स्थापना...

शहर के नई सड़क स्थित अतिप्राचीन बिजासन माता मंदिर में भी शुभमुर्हूत में घट स्थापना की जाएगी। हरायपुरा विजयश्री हनुमान मंदिर के पास स्थित बिजासन माता मंदिर में नवरात्रि पूजा-अर्चना व घट स्थापना के साथ मनाई जाएगी। रेलवे कॉलोनी स्थित कालका माता मंदिर में भी बुधवार सुबह घट स्थापना की गई। दुपाड़ा रोड स्थित चामुंडा माता मंदिर पर भी नवरात्रि के मौके पर विद्युत सज्जा की गई है और यहां भी घट स्थापना हुई और प्रतिदिन यहां भी नवरात्रि के नौ दिनों तक भक्तों का तांता लगेगा। इसी प्रकार पतोली रोड स्थित प्रसिद्ध लालबाई-फूलबाई माता मंदिर में घट स्थापना के साथ धार्मिक आयोजनों का दौर शुरू हो गया।

हिंदू नववर्ष की हुई शुरुआत

हिंदू नववर्ष की भी बुधवार से शुरूआत हो गई और

लोगों ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर तो बड़ों से आशीर्वाद लेकर नववर्ष की शुभकामनाएं दी। पूरे जिले में हिंदू समाजजन हिंदू नववर्ष का स्वागत बांहे फैलाकर किया। हिंदूवादी संगठन के सदस्य लोगों को तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधे गए। वहीं धनिया, गुड़ और नीम के मिश्रण से तैयार प्रसाद भी वितरित किया गया। तो महाराष्ट्रीयन समाज ने भी गुड़ी पड़वा पर्व मनाया गया तथा समाज के प्रत्येक घर में महिलाएं गुड़ी बनाकर उसका पूजन किया और विशेष प्रसादी का भी भोग लगाकर उसका वितरण किया गया।

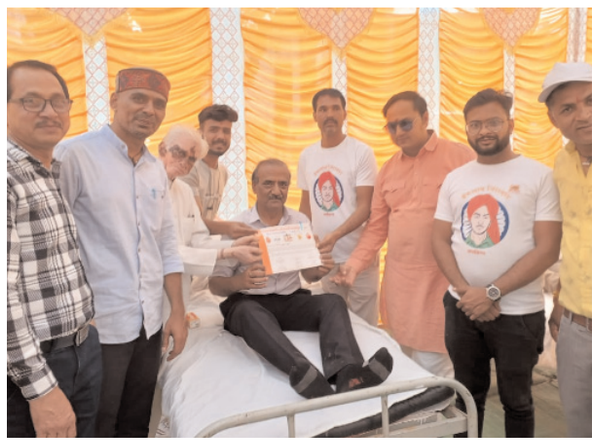

3508 यूनिट रक्त हुआ संग्रहित

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहीद दिवस 23 मार्च के उपलक्ष्य में जिले में 21 मार्च को 22 स्थानों पर आयोजित हुये रक्तदान शिविरों में कुल 3508 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ है।

जिले में सर्वाधिक कुल 503 यूनिट रक्त संग्रहण प्रेस क्लब द्वारा आयोजित जिला चिकित्सालय के शिविर में हुआ। इसके बाद दूसरे नम्बर पर शुजालपुर के जेएनएस महाविद्यालय शुजालपुर में 262 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ। इसी तरह जिले में नगर परिषद अकोदिया मण्डी में 251 यूनिट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मक्सी में 240 यूनिट, गणेश मंदिर परिसर बेहरावल में 227 यूनिट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पोलायकलां में 211 यूनिट, शासकीय स्कूल जाबडिया घरवास में 189 यूनिट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अवंतिपुर बड़ोदिया में 172 यूनिट, जनपद पंचायत कालापीपल में 158 यूनिट, अंबेडकर भवन पुरानी नगरपालिका शाजापुर में 153 यूनिट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गुलाना में 153 यूनिट, बीकेएसएन महाविद्यालय शाजापुर में 123 यूनिट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बेरछा में 116 यूनिट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मोहन बड़ोदिया में 114 यूनिट, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तिलावद मैना में 106 यूनिट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अरनियाकला में 101 यूनिट, शासकीय महाविद्यालय नांदनी में 95 यूनिट, पंचायत भवन जेठड़ा में 93 यूनिट, शहीद भगतसिंह स्मारक के सामने नवीन बस स्टेंड दुपाड़ा में 82 यूनिट, पंचायत भवन कडवाला में 71 यूनिट, पंचायत भवन रायपुर में 48 यूनिट एवं माउमावि. नवीन भवन खरदोनकलां में 40 यूनिट रक्त संग्रहित हुआ।

राजराजेश्वरी मंदिर परिसर में बनने वाले डोम का भूमिपूजन

भक्तों को मिलेगी सुविधा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के मां राजराजेश्वरी मंदिर परिसर में 45 लाख रूपये लागत से निर्मित होने वाले डोम का भूमिपूजन बुधवार को मप्र तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा) माखनसिंह चौहान ने किया। इस अवसर पर कलेक्टर दिनेश जैन, एसपी जगदीश डावर, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक, नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, प्रदेश मंत्री क्षितिज भट्ट, पूर्व विधायक अरूण भीमावद, श्याम टेलर, आशीष नागर, नवीन राठौर, गोपाल राजपूत, एसडीएम नरेन्द्रनाथ पाण्डेय, कार्यपालन यंत्री पीआईयू एवं आरईएस कोमल भूतड़ा भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि निर्मित होने वाले डोम के लिए धर्मस्व विभाग द्वारा 30 लाख रूपये तथा सांसद महेन्द्रसिंह सोलंकी द्वारा संसदीय क्षेत्र विकास योजना से 15 लाख रूपये प्रदान किये गये हैं। डोम का निर्माण होने से यहां आने वाले लोगों को गर्मी और बरसात में सुविधा मिलेगी। वहीं बड़े आयोजन भी यहां संपन्न हो सकेंगे।

युकां ने नपाध्यक्ष को ज्ञापन सौंपा

मवेशियों को लेकर हो रही समस्या से छुटकारा दिलाने की की मांग

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। युवा कांग्रेस विधानसभा सचिव विशेष नागर ने शहर में घूमते निराश्रित गोवंश के कारण शहर वासियों को हो रही असुविधा को देखते हुए शाजापुर नगर पालिका अध्यक्ष महोदय श्री प्रेम जैन को सौंपा ज्ञापन।

ज्ञापन में बताया कि शहर में निराश्रित गोवंश अत्यधिक मात्रा में विचरण करते रहते हैं व बाजार में भीड़ वाले इलाके में भी आपस में लड़ते दिखाई देते हैं। पूर्व में भी गायत्री मंदिर के बाहर एक व्यक्ति की इन गोवंश के हमले से मृत्यु हो चुकी है व शहर में कई बार निराश्रित गोवंश की लड़ाई मैं कई लोग घायल हुए हैं। वहीं शहरवासियों में भी इनका डर बना हुआ है। ज्ञापन में श्री नागर सहित सभी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने नपाध्यक्ष प्रेम जैन से शहर के इन निराश्रित गोवंशो की शहर के बाहर आश्रय की उचित व्यवस्था करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द इस संबंध में निर्णय नहीं लिया गया तो युवक कांग्रेस द्वारा धरना प्रदर्शन व उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी संपूर्ण जवाबदारी नगर पालिका की रहेगी। इस अवसर पर विवेक दुबे (पोलार्ड), उमेश गुर्जर, आराध्य गुर्जर, अजय गुर्जर, देवराज गुर्जर, इरशाद खान, जीवन गुर्जर, अप्पू गुर्जर, दीपक सलोकिया, अरुण गुर्जर आदि उपस्थित थे।

प्रभु श्री राम के जयकारों से गूंजा शहर

हिन्दू युवा संगठन ने निकाली भव्य श्री राम शोभायात्रा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख में जय श्री राम, हाथों में भगवा ध्वज लिए और जयकारे लगाते हुए जब राम भक्त शहर की सड़कों से निकले तो पूरा शहर प्रभु श्री राम की भक्ति में रम गया। हर कहीं केवल श्री राम के जयकारे और उनका ही नाम सुनाई दे रहा था। तो राम भक्तों के स्वागत के लिए शहर भी भगवा ध्वज से सजा हुआ था।

यह नजारा था बुधवार को हिन्दू युवा संगठन द्वारा निकाली गई प्रभु श्री राम की भव्य शोभायात्रा का, जिसमें सैकड़ों की संख्या में प्रभु भक्त शामिल हुए। जिनका जगह-जगह स्वागत किया गया। शोभायात्रा की शुरूआत महूपुरा चौराहा से हुई। जो धानमंडी, किलारोड, आजाद चौक, राधा टॉकीज चोराहा, नइ सड़क, गवली मोहल्ला, बस स्टैंड, टेंशन चौराहा, काछीवाड़ा, सोमवारिया बाजार, कंस चौराहा, वजीरपुरा, धानमंडी, ओंकारेश्वर महादेव मंदिर पहुंची। जहां-जहां से भी शोभायात्रा गुजरी वहां की सड़कें फूलों से सज गई तो वातावरण भी श्री राम मय हो गया। तो शहर में सैकड़ों स्वागत द्वार भी सजाए गए जहां उपस्थित युवाओं की टोली ने राम भक्तों के उत्साह को चार गुना बढ़ा दिया। बता दें कि हिन्दू युवा संगठन द्वारा पिछले 6 वर्षों से भव्य श्रीराम शोभायात्रा निकाली जा रही है। जो इस बात सातवे वर्ष निकाली गई।

डीजे की धुन पर बजी रामधुन पर झूमी भक्तों की टोली

शोभायात्रा में युवाओं की टोली के साथ डीजे भी शामिल था, जिस पर बज रही रामधुन सहित भक्तिमय भजनों की धुन राम भक्तों का उत्साह और बढ़ा रही थी। यही वजह थी कि पूरी शोभायात्रा मार्ग पर रामभक्त झूमते-गाते शामिल हुए ओर पूरा शहर श्री राम की भक्ति में रम गया।

महिला स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आज

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना अंतर्गत लोक स्वास्थ्य सेवा प्रदाय कार्यक्रम के तहत जिला आयुष विभाग द्वारा 23 मार्च को नगर के राधा गार्डन (ट्रेफिक पाईंट के पास) में महिला स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया है।

जिला आयुष अधिकारी डॉ. दाताराम जयंत ने बताया कि शिविर में स्त्री से संबंधित रोगों (सूतिका परिचर्या, अनियमित महावारी, कष्टार्तव) का उपचार, जांच की जाएगी। साथ ही हितकर योग्य अभ्यास भी कराकर योग से लाभ, आयुर्वेद दिनचर्या, रीतु चरिया, पोषण आहर एवं सामान्य रोग से बचाव आदि की सलाह एवं निरूशुल्क औषधियां भी दी जाएंगी।

तंग गलियों से गुजरे कलेक्टर एसपी रामनवमी की तैयारियों का लिया जायजा

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा और पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह ने बुधवार को पहले भीकनगांव और फिर सनावद नगर में रामनवमी को आयोजित होने वाले श्रीराम जुलूस की तैयारियों व कानून व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दोनों ही अधिकारियों ने सनावद के स्थानीय बस स्टैंड से जुलूस मार्ग का भ्रमण कर व्यवस्थाएं देखी। उन्होंने नगर की तंग गालियों से होकर यहां की दुकानों और धार्मिक परिसर आदि की जानकारी लेते हुए स्थानीय नागरिकों से भी चर्चा की।

सोशल मीडिया पर निगरानी रखने की समिति की भी जिम्मेदारी

कलेक्टर एसपी ने रामनवमी पर होने वाले आयोजनों के लिए ली बैठक

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा और एसपी श्री धर्मवीर सिंह ने भीकनगांव एसडीएम कार्यालय में आगामी रामनवमी पर निकलने वाले श्रीराम जुलूस और गणगौर पर्व की व्यवस्थाओं को लेकर आयोजन समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा बताया गया कि इस बार श्रीराम जुलूस आयोजन पर महांकाल और नागपुर से वाद्य यंत्र लाएंगे। एसपी श्री सिंह ने कहा कि पूरा आयोजन शांति पूर्ण और सद्भावना पूर्वक हो इसके लिए पुलिस और प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएगी। जुलूस मार्ग पर आवश्यकता अनुसार सीसीटीवी कैमरे लगाएं जाएंगे। साथ ही आयोजन समिति अपनी तरफ से वॉलेंटियर नियुक्त करें जो एक निश्चित टीशर्ट बेच और कैप के साथ व्यवस्थाएं सम्भाले। एसपी श्री सिंह ने कहा कि श्रीराम नवमी शुद्ध रूप से मनाई जाए इसके सभी पक्षधर है। किसी प्रकार की कोई आपत्तिजनक सूचना या जानकारी है तो वो पुलिस और प्रशासन के संज्ञान में लाएं। बैठक में एसडीएम श्री मिलिंद ढोके, एसडीओपी श्री संजू चौहान, तहसीलदार निधि वर्मा, टीआई श्री सौरभ बॉथम, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्री रवि पटेल, आयोजन समिति के सदस्य श्री आशीष अग्रवाल, श्री अमित जायसवाल और समिति के सदस्य व संचार प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डीजे पर फूहड़ प्रदर्शित करने वाले गानों पर रहेगा प्रतिबंध

बैठक के दौरान एसपी श्री सिंह ने समिति के सदस्यों से कहा कि डीजे पर बजने वाले गानों पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। कोई भी अपने मोबाइल से गाने बजाने पर फोर्स नहीं करे। इसके लिए पृथक से बैठक टीआई द्वारा की जाएगी। साथ ही सोशल मीडिया पर आवश्यक रूप से समिति और व्यापारी संघ अपनी ओर से अपील करे किसी तरह की भी आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित न करें। अपने शहर की शांति और सद्भावना भी सुनिश्चित करना हर नागरिक और युवाओं की जिम्मेदारी है।

नशे पर करना होगा नियंत्रण

कलेक्टर श्री वर्मा ने समिति के सदस्यों से कहा कि रामनवमी भगवान राम के लिए आयोजित एक पर्व है। भगवान राम के संस्कारों को अमल में लाने के लिए आगे आये। कोई भी नशा करके जुलूस में शामिल न हो इसके प्रयास समिति भी करें। जुलूस में माता बहने भी आनंदित और उल्लास के साथ जुलूस में शामिल होती है। इस बात का भी ध्यान रखें।

नगर के पार्षद अपने अपने वार्ड की जिम्मेदारियां ले। साथ ही अच्छे कार्य करने वाले वोलेंटियर और अन्य नागरिको को सम्मानित करने की परंपरा प्रारम्भ करें।

बैठक से पूर्व दोनों अधिकारियों ने नगर का भ्रमण कर जुलूस मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखी। साथ कई स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश भी दिए। साथ ही गणगौर पर्व पर होने वाले पूजन और भंडारे की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान दोनों ही अधिकारियों ने पुलिस और प्रशासन के अमले के साथ पैदल भी भ्रमण कर व्यवस्थाएं देखी। नगर की तंग गलियों से होकर जुलूस मार्ग और प्रमुख स्थलों की व्यवस्थाएं देखी।

सीजनल इन्फ्लूएंजा की रोकथाम एवं नियंत्रण संबंधी निर्देश किए जारी

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में संक्रमण एवं गंभीर श्वसन संबंधी बीमारियों जैसी इन्फ्लूएंजा की बढ़ती प्रवृत्ति के मद्देनजर स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने सीजनल इन्फ्लूएंजा (एच-1, एन-1, एच-3, एन-2) वेरिएंट की रोकथाम के निर्देश सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं सिविल सर्जन को जारी किये हैं। सीजनल इन्फ्लूएंजा वेरिएंट के संबंध में भारत शासन द्वारा जारी गाइड लाइन का अनुसरण किया जाए। इस संबंध में सीएमएचओ डॉ. डीएस चौहान ने सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक खरगोन व समस्त विकासखंड चिकित्सा अधिकारियों को पत्र जारी किए हैं। जारी पत्र में बताया है कि सभी फ्लू प्रकरणों एवं सीजनल इन्फ्लूएंजा वेरिएंट की शंका होने पर तुरंत जाँच कराएँ तथा ओसल्टामिविर (टेमीफ्लू) शुरू की जाए। जिन स्थानों से एक्यूट रिस्पायरेट्री इन्फेक्शन के अधिक प्रकरण आ रहे हैं, उन स्थानों पर स्थानीय बलॉक कॉम्बैट टीम भेज कर सर्वे करवाएँ। छोटे बच्चे, बूढ़े व्यक्ति एवं कोमॉर्विडिटी रोगों से पीड़ित लोग अधिक सतर्क रहें। जिला टास्क फोर्स की बैठक कर जरूरी दवाइयाँ-उपकरण और मेडिकल ऑक्सीजन की उपलब्धता सनिश्चित करें। साथ ही कोविड-19 और इन्फ्लुएंजा के टीकाकरण कव्हरेज का परीक्षण भी करें। सीजनल इन्फ्लूएंजा के सभी सी-केटग्री के रोगियों के निदान के लिए थ्रोट स्वाब सेंपल चिन्हित लेब में भेजा जाएं। इन रोगों के संचरण को सीमित करने के लिए श्वसन और हाथ की स्वच्छता के पालन के बारे में सामुदायिक जागरूकता बढ़ाना महत्वपूर्ण है। (जैसे खाँसते या छींकते समय अपने मुँह और नाक को एक टीशू पेपर/कोहनी से ढकना, सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचना, भीडभाड़ वाले क्षेत्र मास्क का उपयोग करना एवं बार-बार हाथ धोना आदि) लक्षणों की शुरूआती सूचना देने और उन लोगों के संपर्क को सीमित करना जो श्वास की बीमारी से पीड़ित हैं। इन्फ्लूएंजा वायरस (एच एन. एचएन 2) के उपचार रोकथाम एवं नियंत्रण के लिये प्रचार-प्रसार और लोगों को जागरूक किया जाए। पर्याप्त संख्या में सेंपल परीक्षण किया जाए। जरूरी दवाइयों का भंडारण भी सुनिश्चित करें।

नपा ने 14 लाख संपत्तिकर और 296216 रूपये दुकान किराया वसूला

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वित्तिय वर्ष 2022-23 के लक्ष्यानुसार राजस्व वसूली कार्यवाही युद्ध स्तर पर जारी है। वसूली अभियान के तहत बुधवार को दुर संचार विभाग द्वारा बिल माग पत्र सूचना पत्र जारी करने पर भी बकाया 245000 रूपये होने से दूर संचार विभाग को प्रदाय 24 घंटे का नल कनेक्शन विच्छेद कर दिया गया है। इसी क्रम में आनंद नगर में तीन दुकाने भी जिन पर 20000 रूपये से अधिक बकाया होने से सील की गई है। वसूली के दौरान लगभग 14 लाख की संपत्तिकर की तथा दुकान किराया की बकाया 296216 रूपये की राशि वसूली की गई। विरूद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही करते हुवे जप्ती कुर्की की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

बुनकर ने हैंगिग वॉल का किया अनुपम सफल प्रयोग

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के मार्गदर्शन में हुआ कार्य

खरगोन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महेश्वर हैंडलूम इंडस्ट्रीज के लिए बरसों से और आज भी अपनी अहम पहचान रखता है। यहां की महेश्वरी साड़ियों की लोकप्रियता आज भी कई पर्यटकों को खींच लाती है। सोशल मीडिया के आने के बाद से अब सीधे विश्व के कई देशों में व्यापार अपनी दस्तक दे चुका है। यहाँ के बुनकर लगातार नए-नए नवाचार कर चौकाते भी रहते हैं। इन दिनों महेश्वर के संत कबीर राज्य पुरुस्कार से सम्मानित आरिफ़ खान ने हथकरघा से वाल हैंगिग बनाने का नवाचार किया है। जो माँ अहिल्याबाई के किले के झरोखे से हूबहू मेच करता है। जिसमें महेश्वर के किले का झरोखा हैण्डलुम पर बनाया गया है। इस वाल हैंगिग को बनाने में लगभग 06 माह का समय व अथक परिश्रम लगा है। भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के सुरेंद्र जैन ने बताया कि इस नवाचार के लिए उन्हें आवश्यक आर्थिक सहयोग भी किया गया।

उत्पाद का परिचय एवं विवरण

महेश्वर की हाथकरघा इंडस्ट्री मे मुख्यतः महेश्वरी साड़ी, ड्रेस मटेरियल, दुपट्टा ही बनता आ रहा है। लेकिन वर्तमान मं ग्राहकों द्वारा विभिन्न नये-नये उत्पादों की मांग भी की जा रही है। जैसे शॉल, शर्टिंग फेब्रिक, रेडीमेड, हैण्डिक्राफ्ट आदि। इसी तरह की मांग को ध्यान मे रखते हुए प्रोजेक्ट एचएमआई टीम ने वाल हैंगिंग के नये उत्पाद को डिज़ाईन करने एवं बनवाने का दायित्व लिया। यह वाल हैंगिंग की प्रेरणा महेश्वर किले से ली गई है। इस वाल हैगिंग में महेश्वर किले की पहचान नर्मदा नदी के तट की तरफ बना झरोखा है। जो कि हाथकरघा पर 06 महीने की मेहनत के बाद कपड़े पर उतर पाया है। इस वाल हैगिंग को बनाने के लिए 2/120 मर्सराइज़्ड कॉटन का उपयोग किया गया है साथ ही ताने के लिए धागे को वेट डाई में कोका रंग में रंगा गया है।

बाने में बॉटल ग्रीन, मेहरुन एवं लाल रंग को वेट डाई रंग गया है। झरोखे की डिज़ाईन इमिटेशन जरी है।

दत्त अखाड़ा घाट पर सूर्य की पहली किरण को अर्घ्य दिया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शिप्रा नदी के दत्त अखाड़ा घाट पर बुधवार सुबह शंख ध्वनि के साथ सूर्य की पहली किरण को अर्घ्य दिया गया। हिंदू पंचांग के अनुसार नववर्ष की शुरुआत होने पर नीम मिश्री बांटकर बधाई दी गई। हिंदू नव वर्ष की शुरुआत होने पर महाकाल मंदिर के शिखर पर नई ध्वजा भी फहराई गई।

चैत्र प्रतिपदा से प्रतिवर्ष हिंदू नव वर्ष की शुरुआत गुड़ी पड़वा से होती है। बुधवार को शिप्रा नदी के तट पर बंगाली महिलाओं द्वारा शंख ध्वनि के साथ सूर्य की पहली किरण को अर्घ्य दिया गया। रामघाट के पंडित पुजारी और शहर के गणमान्य नागरिक भी शिप्रा नदी के तट पर पहुंचे थे और कलश पूजन कर सूर्य को अर्घ्य दिया। शंख की मंगल ध्वनि के साथ ही ध्वज पूजन भी किया गया और एक दूसरे को नीम मिश्री का प्रसाद बांटकर नववर्ष की बधाई दी गई। महाकाल मंदिर में भी तड़के 4 बजे भस्म आरती के दौरान बाबा को नीम मिश्री युक्त जल से स्नान कराया गया और मंदिर के शिखर पर नहीं ध्वजा लगाई गई। प्रति वर्ष गुड़ी पड़वा पर मंदिर का ध्वज बदलने की परंपरा बनी हुई है। हिंदू नव वर्ष के साथ ही विक्रम संवत 2080 का भी आगाज हुआ है। जिसके चलते शहर में दिनभर धार्मिक आयोजन होते रहे। शाम को शिप्रा नदी के बीचो-बीच बनाए गए मंच पर उज्जैन जन्मोत्सव को गौरव दिवस के रूप में मनाया गया। जहां प्रख्यात गीतकार सामने गीतों की प्रस्तुति दी। गौरव दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी उज्जैन पहुंचे थे।

9 दिनों तक होगी देवी मंदिरों में आराधना

हिंदू नववर्ष के साथ ही चैत्र प्रतिपदा शुक्ल से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत की हो गई। बुधवार से 9 दिनों तक देवी मंदिरों में आराधना की जाएगी। नवरात्रि के पहले दिन 51 शक्तिपीठों में शामिल मां हरसिद्धि की दरबार में घट स्थापना की गई। माता के भक्तों ने सुबह से ही शहर के अति प्राचीन प्रसिद्ध देवी मंदिर का रुख शुरू कर दिया था। प्राचीन मंदिरों में गढ़ कालिका माता मंदिर, चामुंडा माता मंदिर, नगरकोट माता मंदिर, भूखी माता मंदिर, बिजासन सावन भादवा माता मंदिर सहित अन्य देवी मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना और अनुष्ठान किए गए। शक्ति आराधना के 9 दिनों तक धार्मिक नगरी के देवी मंदिरों में आस्था का सैलाब दिखाई देगा।

घरों पर बांधी गुड़ी किया पूजन

महाराष्ट्रीयन समाज ने बुधवार को गुड़ी पड़वा का पर्व मनाया और अपने घरों की छतों पर नई साड़ी से कलर्स के साथ गुड़ी बांधकर लगाई। समाज जनों ने श्रीखंड मिश्री का भोग लगाकर पूजा-अर्चना भी की। समाज के चौबीस खंबा माता मंदिर के पास मल्हार मार्तंड मंदिर में 61 फीट ऊंची गुड़ी बांधी गई थी। गुड़ी पड़वा के अवसर पर नववर्ष की शुरुआत को लेकर शहर भर में नीम मिश्री बैठकर एक दूसरे को बधाइयां भी दी गई।

विनोद मिल श्रमिकों को कोर्ट के आदेश पर लाभांश राशि के भुगतान की प्रक्रिया शुरू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विनोद मिल श्रमिकों को कोर्ट के आदेश पर लाभांश राशि के भुगतान की प्रक्रिया जारी है। इसके तहत मिज मजदूर श्रमिक संघ इंटक उज्जैन के पदाधिकारियों द्वारा मजदूरों से दस्तावेज सत्यापन के नाम पर लाखों रुपये की ठगी की गई जिसकी शिकायत के बाद पुलिस ने अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि 4 मार्च को महेश पिता प्रहलाद सिंह यादव 71 वर्ष निवासी अशोक मण्डी मार्ग नगर निगम के सामने ने मिल मजदूर श्रमिक संघ के अयध्क्ष ओमप्रकाश भदौरिया और कोषाध्यक्ष संतोष सुनहरे के खिलाफ शिकायती आवेदन दिया था जिसमें श्रमिक राजूबाई, कमलकिशोर, रफिक मोहम्मद, भागवत, सुधीर कुमार, शांतिलाल, ताहिर हुसैन सहित 18 लोगों के हस्ताक्षर थे। लोगों ने आवेदन में आरोप लगाया था कि मिल मजदूर श्रमिक संघ के अध्यक्ष ओमप्रकाश भदौरिया और कोषाध्यक्ष संतोष सुनहरे ने कोर्ट के आदेश पर मिलने वाले लाभांश राशि के भुगतान हेतु श्रमिकों के दस्तावेज सत्यापन के नाम पर 15 से 22 हजार रुपये की अवैध वसूली की। रुपये नहीं देने पर उक्त लोगों द्वारा धमकी दी जाती थी कि दस्तावेज सत्यापन नहीं हुए तो ग्रेज्युटी, बोनस और पगार की राशि का भुगतान भी नहीं होगा। अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष द्वारा श्रमिकों को 8 से 16 हजार रुपये तक की रसीद भी दी गई लेकिन वसूली की राशि संघ में जमा नहीं कराई। पुलिस ने जांच के बाद दोनों के खिलाफ धारा 384, 34 के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि लाभाश के लिये पात्र मिल श्रमिकों के दस्तावेज जांच के बाद परिसमापक इंदौर की ओर प्रेषित किये जा रहे थे। जो लोग अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष को मुंहमांगी राशि दे रहे थे उनके दस्तावेज ही सत्यापित हुए और जिन लोगों ने रुपये नहीं दिये उनके दस्तावेज रोक लिये जाते थे।

एमओयू का पालन नहीं करने, अनियमितता बरतने पर इंडेक्स हॉस्पिटल इंदौर आयुष्मान योजना से निलंबित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आयुष्मान योजना में किये एमओयू का पालन नहीं करने और योजना का अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिये अनियमितता बरतने पर इंडेक्स मेडिकल कॉलेज, हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर इंदौर को योजना से निलंबित कर दिया गया है। हॉस्पिटल अब आयुष्मान योजना में उपचार नहीं कर सकेगा। आयुष्मान भारत निरामयम मध्यप्रदेश द्वारा निलंबन आदेश में स्पष्ट किया गया है कि हॉस्पिटल द्वारा नोटिस का जवाब संतोषप्रद नहीं दिया गया। राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण की ऑडिट टीम को हॉस्पिटल में मिली अनियमितताओं, गड़बड़ियों के संबंध में न तो कोई अपेक्षित अभिलेख प्रस्तुत किया और न ही कोई संतोषजनक उत्तर दिया गया।

राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के ऑडिट दल ने मार्च के पहले सप्ताह में इंडेक्स हॉस्पिटल का निरीक्षण किया था। ऑडिट दल को हॉस्पिटल में गंभीर अनियमिताएँ मिली। हॉस्पिटल में एमओयू का पालन किया जाना नहीं पाया गया। साथ ही योजना का अनुचित लाभ प्राप्त करने के लिये अनेक गड़बड़ियाँ भी की गई। ऑडिट टीम को मिली अनियमितताओं में ऑनलाइन पोर्टल के अनुसार हॉस्पिटल में लगभग 500 मरीज पंजीकृत थे, जबकि मौके पर केवल 76 मरीज ही पाये गये। शेष मरीज के संबंध में हॉस्पिटल प्रशासन द्वारा कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया।ऑडिट टीम को हॉस्पिटल में अनावश्यक रूप से ऐसे मरीज गहन चिकित्सा इकाई में उपचाररत पाये गये, जिनको भर्ती करने और गहन चिकित्सा की आवश्यकता ही नहीं थी। अनावश्यक रूप से मरीजों को अधिक समय तक भर्ती रखना भी पाया गया। सामान्य बीमारी के मरीजों को भी भर्ती करना पाया गया। हॉस्पिटल ने योजना का अनुचित वित्तीय लाभ लेने के लिये एक मरीज के कार्ड पर अन्य कई मरीज का उपचार भी किया। हॉस्पिटल में जो चिकित्सा उपचार सामग्री और जाँच आदि को निःशुल्क उपलब्ध कराना अनिवार्य था, उसके लिये मरीजों से राशि व्यय करवाई गई।

प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना में 2 लाख 98 हजार गैस कनेक्शन वितरित-खाद्य मंत्री श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री बिसाहूलाल सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में वर्ष 2022-23 में मध्यप्रदेश में 2 लाख 92 हजार 462 गैस कनेक्शन जारी किए गए हैं। केन्द्रीय पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का मुख्य उद्देश्य एक ओर जहाँ चूल्हे के धुएँ से ग्रामीण महिलाओं को मुक्त कराना है, वहीं पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम की दिशा में प्रभावी प्रयास करना है।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा वर्ष 2022-23 में प्रधानमंत्री उज्ज्वला 2.0 में 60 लाख से अधिक गैस कनेक्शन वितरित किए गए। उज्ज्वला योजना में मुख्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक ईंधन- लकड़ी, कंडे एवं कोयले आदि के स्थान पर एलपीजी के उपयोग को बढ़ावा दिया गया है।

29 करोड़ हितग्राही उठा चुके लाभ

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ 18 वर्ष या उससे अधिक की महिलाएँ ही ले सकती हैं और उनके पास एपीएल और बीपीएल एवं राशन कार्ड होना चाहिए। योजना में पात्र महिला को 1600 रूपए की आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है। लाभार्थियों की संख्या देश में अब तक करोड़ो हो चुकी है। पिछले वर्ष लाभार्थी की संख्या 8 करोड़ बढ़ी हैं, जिसे मिला कर देश में अबतक 29 करोड़ महिला हितग्राही हैं।

15 करोड़ के गबन का खुलासा जिला कोषालय अधिकारियों ने किया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय जेल भैरवगढ़ में जेल कर्मियों के जीपीएस और राशि गबन मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके खाते में एक करोड़ से अधिक का ट्रांजैक्शन होना सामने आया है। पुलिस 10 दिनों से फरार जेल लेखा विभाग के बाबू की तलाश में उत्तर प्रदेश पहुंच चुकी है। दो अन्य फरार जेल प्रहरी की तलाश भी सरगर्मी से की जा रही है।

जेल कर्मियों के जीपीएफ खाते से धोखाधड़ी कर निकाले गए 15 करोड़ के गबन का खुलासा जिला कोषालय अधिकारियों ने किया था। मामले की शिकायत कोषालय अधिकारी की ओर से भैरवगढ़ थाने में दर्ज कराई गई थी। जेल के लेखा विभाग बाबू रिपु दमन के खिलाफ पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया था। जांच में सामने आया है कि रिपु दमन में देवास के रहने वाले रोहित पिता अनिल चौरसिया, उज्जैन के रिंकू पिता गजराज सिंह मंदारे और हरीश पिता राधेश्याम गहलोत के खाते में एक करोड़ से अधिक की राशि का ट्रांजैक्शन किया था। राशि ऑनलाइन सट्टे में लगाई गई है। भैरवगढ़ पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। सीएसपी अनिल सिंह मौर्य ने बताया कि लेखा विभाग के बाबू रिपुदमन की तलाश में एक टीम उत्तर प्रदेश भेजी गई है जल्दी बाबू को तलाश कर गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस की जांच में दो जेल कर्मी शैलेंद्र सिकरवार और धर्मेंद्र लोधी को भी आरोपी बनाया गया है। दोनों पिछले 10 दिनों से फरार है। पुलिस उनकी चल अचल संपत्ति का पता लगा रही है। गौरतलब हो कि पुलिस ने अपनी जांच में पूर्व जेल अधीक्षक उषाराज को भी बयान दर्ज करने के लिए अपनी कस्टडी में लिया था। प्रारंभिक पूछताछ के बाद दूसरे दिन फिर हाजिर होने के निर्देश जारी किए गए थे लेकिन पिछले 4 दिनों से पूर्व जेल अधीक्षक हार्ट अटैक का हवाला देकर इंदौर के अस्पताल में भर्ती हैं। जैसे-जैसे पुलिस की जांच आगे बढ़ रही है वैसे वैसे मामले में नए खुलासे हो रहा है। सूत्रों की माने तो पुलिस की जांच में कुछ और जेल से बाहरी लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। पुलिस की एक टीम काजीपुरा में भी 3 व्यक्तियों की तलाश के लिए पहुंची थी लेकिन तीनों फरार होना सामने आए।

विक्रमोत्सव, वर्ष प्रतिपदा एवम उज्जैन गौरव दिवस पर कलश पूजन एवम शोभा यात्रा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रमोतासव के अंतर्गत कलश यात्रा का सफल आयोजन प्राचार्य माधव विज्ञान महाविद्यालय एवम अतिरिक्त संचालक , उच्च शिक्षा द्वारा शासकीय कन्या महाविद्यालय ,उज्जैन परिसर में संपन्न हुआ। हिन्दू नव संवत 2080 वर्ष प्रतिपदा पर कलश यात्रा का आयोजन संयुक्त रूप से जिला कलेक्टर कार्यालय , संस्कृति विभाग, विक्रमादित्य शोध पीठ , प्राचार्य माधव विज्ञान महाविद्यालय, उज्जैन एवम अतिरिक्त संचालक कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया। इस उपलक्ष्य में सर्वप्रथम महिला सशक्तिकरण पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय, पाणिनी संस्कृत विश्वविद्यालय , प्राचार्य कालिदास कन्या अग्रणी महाविद्यालय डॉ. वंदना गुप्ता, प्राचार्य माधव विज्ञान महाविद्यालय डॉ. वी. के. गुप्ता प्राचार्य माधव कला एवम वाणिज्य डॉ. जे.एल. बरमैय्या द्वारा भागीदारी की गई। सर्वप्रथम मंचासिन अतिथियों का स्वागत प्रभारी प्राचार्य डॉ. हेमंत गहलोत द्वारा किया गया। इस अवसर पर कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय , पाणिनी विश्वविद्यालय एवम अतिरिक्त संचालक द्वारा संबोधित किया गया। डॉ. वंदना गुप्ता ने महिला सशक्तिकरण पर अपने उद्बोधन में कहा कि महिलाएं जीवन के सभी क्षेत्रों में बराबरी से भागीदारी कर रही है, साथ ही डॉ. वंदना गुप्ता ने महिला सशक्तिकरण पर अपनी स्वरचित कविता का पठन किया। अध्यक्षीय उद्बोधन प्रभारी प्राचार्य डॉ. हेमंत गेहलोत द्वारा दिया गया।कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मि भार्गव द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के द्वितीय भाग में मंचासीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष कलश पूजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न महाविद्यालयो की छात्राओं द्वारा कलश पूजन किया गया। कलश पूजन कार्यक्रम के पश्चात राजा विक्रमादित्य के नवरत्नों पर आधारित सफल झांकी की प्रस्तुति दी गई।शोभायात्रा में बैंड बाजे ,घोड़ी ,बग्गी एवम पीले परिधान में विभिन्न महाविद्यालय के छात्र , छात्राओं ने नववर्ष प्रतिपदा पर उज्जैन गौरव दिवस एवम विक्रमोत्सव पर शोभा यात्रा में मोहक प्रस्तुति दी। शोभा यात्रा में शहर के विभिन्न महाविद्यालयो के प्राचार्य , प्राध्यापक , छात्र छात्राओं ने भागीदारी की।शोभायात्रा कालिदास अकादमी परिसर में समाप्त हुई। इस अवसर पर विक्रमादित्य शोध पीठ के निदेशक डॉ. श्रीराम तिवारी द्वारा कलश पूजन किया गया एवम यात्रा का स्वागत किया गया।सम्पूर्ण कलश पूजन एवम शोभा यात्रा का नेतृत्व माधव विज्ञान महाविद्यालय उज्जैन के प्राचार्य डॉ. वी के गुप्ता ने किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम में कार्यवाही विवरण की जिम्मेदारी जिला प्रशासन एवम संस्कृति विभाग द्वारा अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा एवम प्राचार्य माधव विज्ञान महाविद्यालय,उज्जैन डॉ. वी के गुप्ता को सौपी गई थी। कार्यक्रम में फ्यूचर विजन, निर्मला कालेज, एडवांस कालेज, लोकमान्य तिलक कालेज, पाणिनी विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. दिलीप सोनी, कालिदास कन्या महाविद्यालय, माधव विज्ञान महाविद्यालय, जीडीसी दशहरा मैदान के सभी स्टॉफ सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया । कलश यात्रा के सफल आयोजन हेतु माधव विज्ञान महाविद्यालय एवम अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा द्वारा विक्रमादित्य शोध पीठ एवम सभी महाविद्यालयों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई।

विक्रम वि.वि. के दीक्षान्त समारोह का आयोजन अब हमेशा चैत्र शुक्ल प्रतिप्रदा पर ही किया जायेगा -मंत्री डॉ.यादव

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.यादव के मुख्य आतिथ्य में विक्रम वि.वि. का 27वां दीक्षान्त समारोह सम्पन्न हुआ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में विक्रम विश्वविद्यालय के 27वे दीक्षान्त समारोह का आयोजन कोठी रोड स्थित स्वर्ण जयन्ती सभागार माधव भवन प्रशासनिक परिसर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के सारस्वत अतिथि नीति आयोग के सदस्य एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलाधिपति डॉ.विजय कुमार सारस्वत थे। इसके अतिरिक्त बतौर विशिष्ट अतिथि सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री पारस जैन, महापौर श्री मुकेश टटवाल और वरिष्ठ शिक्षाविद मुम्बई के डॉ.मिलिन्द मराठे कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के पश्चात अतिथियों की मुख्य द्वार पर आगवानी की गई। इसके पश्चात अतिथियों द्वारा दीक्षान्त शोभायात्रा में सहभागिता की गई। साथ ही सामूहिक चित्रांकन भी सम्पन्न हुआ। सभाकक्ष में आगमन के पश्चात अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। तत्पश्चात राष्ट्रगान और विश्वविद्यालय का कुलगान गाया गया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.अखिलेश कुमार पाण्डेय ने दिया। इसके पश्चात समस्त अतिथियों का सम्मान शाल, तुलसी पौधे और स्मृति चिन्ह भेंटकर किया गया।

उल्लेखनीय है कि उक्त 27वे दीक्षान्त समारोह में वर्ष 2022 के पीएचडी उपाधिधारकों को डिग्री एवं 2022 की स्नातक परीक्षाओं की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक अतिथियों द्वारा प्रदाय किये गये। इनमें 124 पीएचडी उपाधि प्राप्तकर्ता, 31 स्नातक और 53 स्नातकोत्तर स्तर के गोल्ड मेडलिस्ट शामिल थे।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ.मोहन यादव ने इस अवसर पर कहा कि आज हम सबके लिये अत्यन्त हर्ष और गौरव का क्षण है कि हम विक्रम विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह के गौरवशाली क्षण के साक्षी बन रहे हैं। पुराण, इतिहास तथा साहित्य के ग्रंथों में उज्जैन के गौरवशाली अतीत एवं धार्मिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक महत्व का विभिन्न रूपों में अनेक बार गरिमापूर्ण ढंग से उल्लेख

हुआ है। प्राचीनकाल से ही उज्जैन को कालगणना के लिये मानक माना जाता था। उज्जैन खगोलीय गणना का केन्द्र था। आज चैत्र शुक्ल प्रतिपदा गुड़ी पड़वा है। मंत्री डॉ.यादव ने अपनी ओर से नव संवतसर की सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि आज उज्जैन का गौरव दिवस भी है। अब से विक्रम विश्वविद्यालय का दीक्षान्त समारोह हमेशा नववर्ष प्रतिपदा पर ही आयोजित किया जायेगा। मंत्री डॉ.यादव ने पीएचडी उपाधि प्राप्तकर्ताओं और गोल्ड मेडल प्राप्त विद्यार्थियों को अपनी ओर से उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने कहा कि महाराजा विक्रमादित्य भारतवर्ष की एक ऐसी विभूति थे, जिन्होंने विदेशी आक्रांताओं को परास्त कर अपना संवत चलाया था। शिक्षा भूमि की पारम्परिक विरासत से जुड़े उज्जैन नगर में प्राचीन और अद्यतन ज्ञान-विज्ञान की विविध शाखाओं के अध्ययन-अध्यापन और अनुसंधान के लिये विक्रम विश्वविद्यालय की स्थापना की गई थी। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद समस्त अतिथियों और विद्यार्थियों को नव संवतसर की बधाई दी। साथ ही उपाधि प्राप्तकर्ताओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थी जीवन में अपना लक्ष्य निर्धारित करें और पूर्ण ईमानदारी और लगन के साथ परिश्रम करें तथा सफलता प्राप्त करें।

विधायक श्री पारस जैन ने इस अवसर पर कहा कि शिप्रा के पवित्र तट पर बसे हमारे उज्जैन में भगवान श्रीकृष्ण के द्वारा विद्याध्ययन किया गया था। महर्षि सान्दीपनि के गुरूकुल का यह पुरातन क्षेत्र आज भी जन-जन की आस्था का केन्द्र है, जहां स्वयं जगदगुरू ने शिक्षा पाई थी। श्री जैन ने अपनी ओर से नव संवतसर, उज्जैन के गौरव दिवस की सभी को बधाई दी। साथ ही विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में डॉ.विजय कुमार सारस्वत और डॉ.मिलिन्द मराठे के द्वारा उद्बोधन दिया गया। इसके पश्चात कुलपति के द्वारा विद्यार्थियों को शपथ ग्रहण करवाई गई। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन विक्रम विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ.प्रशांत पुराणिक ने किया।

सार समाचार

मुख्यमंत्री के उज्जैन आगमन पर जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया नव संवतसर की शुभकामनाएं दी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड।मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के बुधवार शाम उज्जैन आगमन पर हेलीपेड पर संभागायुक्त श्री संदीप यादव, आईजी श्री संतोष कुमार सिंह, डीआईजी, कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम, पुलिस अधीक्षक श्री सत्येन्द्र कुमार शुक्ल, नगर निगम आयुक्त श्री रोशन सिंह आदि प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वागत कर आगवानी की।

इस अवसर पर संस्कृति मंत्री सुश्री उषा ठाकुर, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री बहादुरसिंह चौहान, महापौर श्री मुकेश टटवाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कमला कुंवर, सर्वश्री विवेक जोशी, बहादुरसिंह बोरमुंडला, पूर्व सांसद चिन्तामणि मालवीय, सतीश मालवीय, नारायण परमार, राजेन्द्र भारती, ओम जैन, जगदीश अग्रवाल, श्याम बंसल, अनिल जैन कालूहेड़ा, सुरेंद्र सांखला, विशाल राजौरिया, अशोक प्रजापत, सत्यनारायण खोईवाल, किशनसिंह भटोल, राजपाल सिंह सिसौदिया, पूर्व महापौर मदनलाल ललावत आदि जनप्रतिनिधियों ने भी मुख्यमंत्री का स्वागत कर आगवानी की एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर उन्हें नव संवतसर की शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान भगवान महाकालेश्वर की सन्ध्या आरती में शामिल हुए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के बुधवार को उज्जैन प्रवास के दौरान भगवान महाकालेश्वर के मन्दिर पहुंचे। यहां वे भगवान महाकालेश्वर की सन्ध्या आरती में शामिल हुए। इस दौरान सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री बहादुरसिंह चौहान, सर्वश्री बहादुरसिंह बोरमुंडला, राजेन्द्र भारती, विशाल राजौरिया, सत्यनारायण खोईवाल, जगदीश अग्रवाल, अनिल जैन कालूहेड़ा, कलेक्टर श्री कुमार पुरुषोत्तम, प्रशासक श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबंध समिति श्री संदीप सोनी, आयुक्त नगर पालिक निगम श्री रोशन कुमार सिंह एवं अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत पेयजल व्यवस्था दुरूस्त रखें -राज्य मंत्री श्री यादव

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी राज्य मंत्री श्री बृजेन्द्र सिंह यादव ने जल जीवन मिशन एवं ग्रीष्म ऋतु में सुचारू पेयजल व्यवस्था की समीक्षा की। राज्यमंत्री श्री यादव ने निर्देश दिये कि हैण्डपंप संधारण का कार्य प्राथमिकता पर करायें। ग्रीष्म ऋतु में सुचारू पेयजल उपलब्धता के लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ समय से पूर्ण करें। यदि आउटसोर्सिंग एजेंसी ठीक से कार्य नहीं कर रही हैं तो उनके विरूद्ध कारवाई करें। जल जीवन मिशन की एकल योजनाओं जिनके कार्य 1 वर्ष या अधिक अवधि से प्रगतिरत हैं, उन्हें मई माह के अंत तक प्राथमिकता पर पूर्ण कराये। जो ठेकेदार अपेक्षित गति से कार्य नहीं कर रहे हैं उनके विरूद्ध कारवाई करें। प्रमुख अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री एस. के. अंडमान एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आज होगा अभा गणगौर फूलपाती लोक महोत्सव 2023

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। अभा गणगौर फूलपाती लोक महोत्सव 2023 का आयोजन आज होगा। प्रातः 9.30 बजे अतिथि के रूप में आने वाले श्रीपाद जोशी अभा नाट्य विधा सहप्रमुख, डॉ. शैलेन्द्र कुमार शर्मा कुलानुशासक विक्रम विवि, तरूण शाह चार्टर्ड अकाउंटेंट, समाजसेवी दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। उद्घाटन सत्र के पश्चात सामूहिक लोकगीत प्रतियोगिता प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगी। दोपहर 1 बजे से समूह लोकनृत्य प्रतियोगिता व शाम 4 बजे से फूलपाती चल समारोह प्रतियोगिता प्रारंभ होगी। शाम 6 बजे से मालवी गणगौर गम्मत पर डॉ. शिव चौरसिया का व्याख्यान होगा एवं शाम 7 बजे से डॉ. अखिलेशकुमार पांडेय कुलपति विक्रम विवि के मुख्य आतिथ्य में प्रीति देवले का फुलपाती लोकगायन, संजय महाजन बड़वाह का निमाड़ी गणगौर नृत्य व झालरिया नृत्य व पं. हरिहरेश्वर पोद्दार का मालवी गणगौर व राजस्थान का घूमर गणगौर की प्रस्तुति की जायेगी।

आकार सांस्कृतिक संस्थान की ओर से आयोजित यह कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय नईदिल्ली व संस्कृति संचालनालय भोपाल के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। आकार वट अलंकरण प्रख्यात लोकगायक हीरासिंह बोरलिया को दिया जाएगा व सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र व नगद पुरस्कार दिया जाएगा।

उत्साह से मना गुड़ी पड़वाः तिलक लगा मिश्री-नीम खिलाई, घटस्थापना के साथ माता की आराधना शुरू

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विक्रम संवत नव संवत्सर 2080 में बुधवार को प्रवेश हुआ। नव संवत्सर के अवसर पर मंदसौर शहर सहित अंचल में हिन्दू नववर्ष उत्साह के साथ मनाया गया इसके साथ ही चौत्र नवरात्रि, चेटीचंड, वर्ष प्रतिपदा को आस्था व परंपरागत तरीके से मनाया जा रहा है।

हिन्दू नववर्ष के अवसर पर विभिन्न हिन्दू संगठनों और युवाओं की टोली ने घर घर पहुंचकर लोगों के ललाट पर तिलक लगाकर नववर्ष की बधाई देते हुए नीम और मिश्री खिलाकर दिन की शुरुआत की। नववर्ष कि पूर्व संध्या पर शहर में भव्य वाहन रैली निकाली गई थी। आज जिलेभर में नववर्ष मनाया जा रहा है। लोगों ने अपने अपनें घरों पर भगवा ध्वज लगाए। महिलाओं ने रंगोली बनाई।महाराष्ट्रीयन लोगों ने रंगोली बनाकर गुड़ी पूजन किया।

राजनीतिक दलों ने भी मनाया नववर्ष

शहर के गांधी चौराहा पर कांग्रेस जनों ने राहगीरों को गुलाल लगाकर बधाई देते हुए नीम मिश्री खिलाई वही भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी चोक चौराहों पर टोली के रूप के आमलोगों को तिलक लगाया और नव संवत्सर की प्रसाद के रूप में नीम मिश्री खिलाई।

चैत्र नवरात्र की शुरुआत

नव संवत्सर के साथ ही बुधवार से चेत्र नवरात्रि की शुरुआत भी हो गई। शहर के नालछा माता और गरोठ के दुधाखेड़ी माता मंदिर में सुबह शुभ महूर्त में घटस्थापना की गई। माता मंदिरों में नो दिन तक विशेष आयोजन होंगे। वहीं गरोठ के दूधाखेड़ी माता पुजारी घनश्याम योगी ने बताया कि आज घटस्थापना की गई हैं। मंदिर परिसर 9 दिवसीय मेले की शुरुआत ही आज से की गई है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्री डॉ.यादव के निवास पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बुधवार को मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.मोहन यादव के निवास स्थल पर पहुंचकर मंत्री डॉ.यादव की माताजी स्व.श्रीमती लीलाबाई पूनमचंद यादव के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री द्वारा स्व.श्रीमती लीलाबाई यादव के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की गई। साथ ही मुख्यमंत्री ने मंत्री डॉ.यादव के पिताजी श्री पूनमचंद यादव से भेंट की और उनका हालचाल जाना। इस दौरान सांसद श्री अनिल फिरोजिया, महापौर श्री मुकेश टटवाल, विधायक श्री बहादुरसिंह चौहान, श्री अनिल जैन कालूहेड़ा, श्री विवेक जोशी, श्री सत्यनारायण खोईवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

भव्य एवं संगीतमय सुंदरकांड का हुआ आयोजन

›› हिंदू उत्सव समिति रही आयोजक ›› पानी और आंधी की वजह से बस स्टैंड पर खुले में आयोजित कार्यक्रम परिवर्तित होकर राधा कृष्ण मंदिर में संपन्न हुआ

पचोर/हेमन्त कुमार शर्मा/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में हिन्दू उत्सव समिति के तत्वाधान में आष्टा की भजन मंडली द्वारा भव्य और संगीतमय सुन्दर कांड की आकर्षक प्रस्तुति दी गई! पुराने बस स्टैंड पर आयोजित उक्त कार्यक्रम के लिए बहू और आकर्षक तैयारियां की गई थी और कार्यक्रम आष्टा से पधारी भजन मंडली द्वारा रात्रि 8:45 पर शुरु भी कर दिया गया था लेकिन ऐन वक्त पर आंधी और पानी आ जाने के कारण कार्यक्रम को वहां से स्थान परिवर्तन कर राधाकृष्ण बगीची मंदिर में संपन्न कराया गया! शुरुआत में भजन मंडली में पधारे गायकों ने गणेश वंदना और वीर हनुमान जी की आरती से सुंदरकांड की शुरुआत की! वही नगर से पधारे भक्तजनों ने भी सुंदरकांड की पुस्तक अपने हाथ में लेकर भजन मंडली के साथ ही सस्वर पाठ किया! लिखने की आस्था की भजन मंडली सुन्दर कांड पाठ के लिए भोपाल संभाग में अपना एक विशिष्ट स्थान रखती है! कार्यक्रम में हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष संजय दीक्षित समिति के संरक्षक श्री श्री राम गोयल जगमोहन सिंह जाट सीताराम लहरी रघुराज राणा सहित गणमान्य नागरिकों में भाजपा मंडल अध्यक्ष विकास दिक्षित रामभरोसे यादव कमल सक्सेना मनीष मन्नू यादव नगर कांग्रेस अध्यक्ष अमित बंसल अजीत चौधरी आशीष शर्मा संजय तिवारी दीपक शुक्ला गोपाल तिवारी योगेश जुलानिया महेंद्र शर्मा एस वी गौतम मनीष अग्रवाल संजय गुप्ता अमित गोस्वामी सुदर्शन सोनी दीपक चौहान मुकेश शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु गण उपस्थित थे कार्यक्रम का समापन रात्रि 1:00 बजे हुआ तत्पश्चात हनुमान चालीसा का पाठ कर महा प्रसादी वितरित की गई!

सुप्रीम कोर्ट का निर्णयः तैलिया तालाब क्षेत्र में संघर्षरत श्रमजीवी सोसायटी वालों को बड़ी राहत

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के तैलिया तालाब मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा महत्वपूर्ण निर्णय देने की बात सामने आई है। जानकारी अनुसार तालाब के समीप 50 साल पहले बनी श्रमजीवी सोसाइटी को बड़ी राहत देते हुए सर्वे नंबर 1238 को डूब से बाहर करते हुए श्रमजीवी सोसाइटी के निर्माण पर लगी रोक को हटा दिया गया है। बताया जाता है कि एनजीटी कोर्ट में नगर पालिका मंदसौर ने उस समय जल संसाधन विभाग के एसडीओ बड़गोतिया के एकमात्र हस्ताक्षर वाला नक्शा पेश करके तालाब के समीप बनी कॉलोनी को डूब क्षेत्र में बताया था। बताया गया है कि रहवासियों ने एक साइन वाले नक्शे की वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी तो वहां पर नगरपालिका ने भी माना कि उससे गलती हो गई। सरकारी वकील ने भी यहां पर सोसायटी के लोगों को राहत नहीं देने को लेकर काफी लंबी बहस की। तीनों पक्षों के अपने-अपने दावे रखने के 7 साल बाद सुप्रीम कोर्ट ने आज तेलिया तालाब के निकट की कॉलोनी को लेकर निर्णय दिया है। सोसायटी की जमीन पर निर्माण संबंधी लगी रोक को हटाते हुए जमीन को तेलिया तालाब डूब क्षेत्र से बाहर कर दिया है। जानकारी के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश रवींद्र शाह और दीपांकर दत्ता की युगल पीठ वाली बेंच ने आज अहम फैसला करते हुए।

जी-20 के वित्त मंत्री की पहली बैठक को लेकर सांसद सुधीर गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सांसद सुधीर गुप्ता ने वित्त मंत्री से प्रश्न करते हुए कहा कि क्या जी-20 के वित्त मंत्री और केन्द्रीय बैंक के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की पहली बैठक हाल ही में देश में आयोजित की हुई थीम में हुई। बैठक का उदेश्य क्या है और और इसके क्या परिणाम निकले और उक्त बैठक चर्चाओं का ब्योरा क्या है। क्या उक्त बैठक में क्रिप्टो करेंसी के भविष्य के संबंध में प्रतिभागी सदस्यों द्वारा कोई निर्णय लिया गया है।

प्रश्न के जवाब में वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 के वित्त मंत्रियों 24-25 फरवरी, 2023 के दौरान बेंगलुरु में आयोजित की गई, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना, सतत वित्त, अवसंरचना, वित्तीय क्षेत्र, वित्तीय समावेशन, वैश्विक अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य और अंतर्राष्ट्रीय कराधान जैसे विषय शामिल थे। बैठक का निष्कर्ष जी-20 अध्यक्ष के मंतव्यों के संक्षिप्त विवरण और निष्कर्ष दस्तावेज में था, जिसमें 17 पैराग्राफऔर 2 अनुबंध शामिल थे। उन्होने बताया कि क्रिप्टो करेंसी के भविष्य के संबंध में जी-20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों के बीच चर्चा का विवरण जी20 अध्यक्ष के मंतव्यों के संक्षिप्त विवरण और निष्कर्ष दस्तावेज पैरा 15 में दर्ज किया गया है,। हाल ही में संपन्न हुई एफएमसीबीजी बैठक में चर्चा हेतु वतावरण तैयार करने के लिए, आरबीआई के गवर्नर की अध्यक्षता में केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की एक अनौपचारिक बैठक 24 फरवरी को आयोजित की गई थी।

श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर पर मनाया जाएगा श्री रामनवमी उत्सव

मंदसौर/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर मंदसौर में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी श्री राम जन्मोत्सव पर्व श्री राम नवमी पूर्ण भक्ति एवं श्रद्धा भाव से मनाया जाएगा। इस अवसर पर सामूहिक आराधना के क्रम में विभिन्न आयोजन होंगे। श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट द्वारा दी गई जानकारी में बताया गया कि 30 मार्च गुरुवार को श्री राम नवमी पर्व पर सामूहिक आराधना का आयोजन किया जाएगा। इस क्रम में प्रातः 11:15 बजे भगवान श्रीराम का पंचामृत अभिषेक कर पूजा की जाएगी। ठीक अपराह्न 12:00 बजे श्री राम जन्मोत्सव महाआरती होगी। महाआरती के पश्चात प्रसाद वितरण होगा। सायं काल 6:00 बजे सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ किया जाएगा।

शाम शहीदों के नाम आयोजित कार्यक्रम मे शहीदों को श्रध्दांजलि

आलोट/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय सैल्यूट तिरंगा संस्था के तत्वावधान मे गुरूवार को एक शाम शहीदों के नाम आयोजित कार्यक्रम मे शहीदों को श्रध्दांजलि, कवि सम्मेलन एवं विभिन्न क्षेत्र मे अपनी सर्वश्रेष्ठ सेवाए देने वाले अधिकारी, समाजसेवी का सम्मान किया जाएगा।

संस्था पदाधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम 23 मार्च संध्या 7.30 बजे विजय स्तम्भ पर शहीदों को श्रध्दांजलि दी जाएगी और 8 बजे सम्मान समारोह तथा 8.30 बजे से कवि सम्मेलन का शुभारंभ किया जाएगा । आमंत्रित कवि मे सतीश सागर उज्जैन, ब्रजराज ब्रज रतलाम, डॉ लोकेश जडिया धार, विक्रम विवेक तराना, कु. निशा पंडित उज्जैन, शंकरसिंह सिसौदिया महिदपुर है और सूत्रधार नंदकिशोर अकेला आलोट है । जो देशभक्ति, हास्य आदि रचनाओं का पाठ करेगें, संस्था व्दारा क्षेत्र की जनता से आग्रह किया है कि वे अधिकाधिक संख्या मे पधारकर आयोजित कवि सम्मेलन का आनंद अवश्य लेवे ।

गुड़ी पड़वा पर प्रकट कार्यक्रम किया गया-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

बड़नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने प्रकट कार्यक्रम एवं नववर्ष गुड़ी पड़वा उत्सव मनाया,नव वर्ष के उपलक्ष पर संघ द्वारा दैनिक लगने वाली शाखा के कार्यक्रमों का प्रकटी कारण किया गया,इस प्रकटी करण में न्यूद्ध, यष्टी, सामूहिक क्षमता, योग, आसन, सूर्य नमस्कार, सामूहिक गीत, एवं खेल जो स्वयंसेवक दैनिक चलने वाली शाखा पर सीखते हैं उन्हीं सभी का सामूहिक रूप से कदम मिलाकर, एकरूपता के साथ प्रदर्शित किया गया वर्ष प्रतिपदा का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि संघ के संस्थापक डॉ केशव राव बलिराम हेडगेवार का जन्मदिन भी आज ही के दिन हुआ था, अतः आज ही के दिन सरसंघचालक प्रणाम सभी स्वयंसेवकों द्वारा किया जाता है इस कार्यक्रम के उपलक्ष में बड़नगर खंड कार्यवाह प्रेम शंकर उपाध्याय एवं जिला प्रचारक केशव चौहान मंच पर उपस्थित थे मुख्य वक्ता के रूप में केशव चौहान ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि गुड़ी पड़वा नव वर्ष का यह पर्व हमारी संस्कृति में अति महत्वपूर्ण माना जाता है भगवान श्री राम का राज्याभिषेक, शक्ति की आराधना नवरात्रि का प्रारंभ, भगवान झूलेलाल जी का जन्म, बसंत ऋतु का आरंभ, एवं सृष्टि की रचना का प्रथम दिन आदि अनेक महत्व बताते हुए जिला प्रचारक ने अपने विचार व्यक्त किए इस कार्यक्रम में अनेक स्वयं सेवकों ने पूर्ण गणवेश पहन भाग लिया एवं नगर के गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे उक्त जानकारी नगर प्रचार प्रमुख मनीष जैन ने दि!

कार्यालय उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन
// जाहिर सूचना //

प्राधिकरण की **ऋषिनगर** योजना के अतंर्गत आवासीय उपयोग के भवन/भूखण्ड क्रं. ए-12/41 श्रेणी ई.डब्ल्यू.एस. को लीज होल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) में संपरिवर्तन के संबंध में।

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति उज्जैन विकास प्राधिकरण के रिकार्ड में **श्रीमती रंजना मुगरे पति श्री रंगनाथजी मुगरे निवासी - ए-12/41, ई.डब्ल्यू.एस. ऋषिनगर** उज्जैन (म.प्र.) के नाम पर दर्ज है तथा प्राधिकरण कार्यालय में आवेदक के द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 08/02/2023 के साथ शपथ पत्र मय फोटो आदि प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) में सपरिर्वतन करने हेतु निवेदन किया गया है।

प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्राधिकारी अभिलेखो में लीज की उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से (फ्रीहोल्ड) किये जाने में यदि किसी को भी कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन होने की दिनांक से 15 दिवस की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय उ.वि.प्रा. उज्जैन भरतपुरी प्रशासनिक प्रक्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.) में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष में या लिखित में मय दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात उक्त सम्पत्ति को औपचारिकतायें पूर्ण होने पर अर्थात समस्त दस्तावेजों तथा बकाया राशियों जमा होने पर आवदेन तथा दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) कर दी जावेगी। तद्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

सहायक सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

कार्यालय उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन
// जाहिर सूचना //

प्राधिकरण की **ऋषिनगर अनुपूरक** योजना के अतंर्गत आवासीय उपयोग के भूखण्ड **क्रं. सी-43/8** श्रेणी एलआईजी को लीज होल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) में संपरिवर्तन के संबंध में।

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पत्ति उज्जैन विकास प्राधिकरण के रिकार्ड में **श्री अजय खत्री पिता स्व. श्री दर्शनलाल खत्री निवासी सी-43/8 ऋषिनगर अनुपूरक** उज्जैन (म.प्र.) के नाम पर दर्ज है तथा प्राधिकरण कार्यालय में आवेदक के द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 15/02/2023 के साथ शपथ पत्र मय फोटो आदि प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) में सपरिर्वतन करने हेतु निवेदन किया गया है।

प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्राधिकारी अभिलेखो में लीज की उक्त सम्पत्ति को लीजहोल्ड से (फ्रीहोल्ड) किये जाने में यदि किसी को भी कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन होने की दिनांक से पन्द्रह दिन (15 दिवस) की अवधि में अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय उ.वि.प्रा. उज्जैन भरतपुरी प्रशासनिक प्रक्षेत्र, उज्जैन (म.प्र.) में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष में या लिखित में मय दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत करें। अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात उक्त सम्पत्ति को औपचारिकतायें पूर्ण होने पर अर्थात समस्त दस्तावेजों तथा बकाया राशियों जमा होने पर आवदेन तथा दस्तावेजों के आधार पर उक्त सम्पत्ति भू-स्वामी अधिकार (फ्रीहोल्ड) कर दी जावेगी। तद्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नही होगी।

सहायक सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

विधायक मोरवाल ने दी एक लाख की नगद राशि

बड़नगर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विधायक मुरली मोरवाल ने नववर्ष, गुड़ी पड़वा, चैत्र नवरात्रि व चेटीचंड के पावन पर्व पर नगर के सम्मानीय नागरिकों को तिलक लगाकर नववर्ष की शुभकामनाएं दी साथ ही नयापुरा में स्थित मरीमाता मंदिर में पूजा अर्चना कर आर्शीवाद लिया व एक लाख रूपये की नगद राषि मंदिर समिति को निर्माण के लिए दी व पप्पु गिरधाणी द्वारा भी 15 हजार रूपये की नगर राषि मंदिर को प्रदान की गई इस पर मंदिर समिति ने विधायक मोरवाल व पप्पु गिरधाणी का साफा बांधकर व पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया।

विधायक मोरवाल ने संबोधित करते हुए बताया कि पिछले कई वर्षो से निरन्तर अलग अलग मंदिरों में उनकी क्षमता के अनुसार सहयोग देते आए है बुद्रेष्वर महादेव मंदिर में भी 4 लाख की राषि विधायक द्वारा दी गई साथ ही अन्य कई मदिरों में राषि प्रदान की है। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष गजेन्द्र यादव,

विधायक प्रतिनिधि रामलाल माली, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण बिलाला, सेवादल अध्यक्ष मनोहरलाल शर्मा, पार्षद तरूण आचार्य, पूर्व नेता प्रतिपक्ष नरेन्द्र परमार, राजकुमार नाहर, वनिष राज कटारीया, प्रमोद गादीया आदि उपस्थित हुए उक्त जानकारी एडवोकेट करण राठोड़ ने दी।

ज्ञानदीप मंडल बदनावर द्वारा नगर मे पक्षियों के लिए दाना पानी जागरूकता अभियान का आरंभ किया

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आने वाली भीषण गर्मी के दृष्टिगत ज्ञानदीप मंडल बदनावर द्वारा नगर मे पक्षियों के लिए दाना पानी जागरूकता अभियान का आरंभ किया गया। इसके प्रथम चरण में पंछियो की प्यास बुझाने के लिए जलपात्र(सकोरे) एवं उनके भोजन के लिए बाजरा नगर की बड़ी चौपाटी क्षेत्र मे वितरित किए गए मंडल के सदस्यों द्वारा राठौड़ कॉलोनी बड़नगर रोड विश्वकर्मा कॉलोनी शिक्षक कॉलोनी गोकुलधाम कॉलोनी दरबार कॉलोनी ऑफिसर कॉलोनी सिंधिया कालोनी साईं धाम कॉलोनी भट्ट कालोनी बस स्टैंड क्षेत्र में 700 से अधिक सकोरे घर घर जाकर वितरित किए एवं क्षेत्र वासियों से अपील की वे अपने घरों की छत पर पंछियों के लिए भोजन एवं सकोरे में पानी भरकर रखें जिससे बेजुबान पंछियों को गर्मी में राहत मिले सकोरे को लेकर लोगों में काफी उत्साह था अपनी चलती गाड़ी रोककर बसों में से उतर कर ऊपर की मंजिल से उतरकर महिलाएं पुरुष मंडल के सदस्यों के पास आकर सकोरे व बाजरा ले रहे थे कुछ लोगों ने हाथो हाथ सकोरे में रस्सी बाध कर उसमें पानी भर कर मुडेर पर लटकाए। उल्लेखनीय हे कि संस्था विगत 11 वर्षों से सकोरा वितरण कर रही है इस बार अभिनव प्रयोग करते हुए सकोरे के साथ प्रतीकात्मक रूप में बाजरा भी वितरितं किया गया साथ ही नागरिको से अपील की है कि पक्षियों के लिए ज्वार,चावल आदि धान्य छत पर रखने की आदत डाले

सकोरे के वितरण में ज्ञानदीप मंडल के अध्यक्ष विजय बाफना पंकज पंड्या अर्जुन सिंह पवार राजेश जैन शेखर यादव अनिल लुनीया विमलेश पगारिया एच आर पवार अशोक लोढा पवन पाटोदी निलेश मोदी मुकेश आर्य विजय गादिया विशाल जैन के साथ वंडर सीमेंट के वरिष्ठ प्रबंधक श्री अमर सिंह देवडा विशेष रुप से उपस्थित थे ।

कार्यक्रम संयोजक विक्रम सिंह चौहान एवं ज्ञानदीप- मंडल अध्यक्ष विजय बाफना ने बताया कि इस अभियान के अगले चरण मे नगर के बाकि बचे क्षेत्र मे सकोरे एवं बाजरा वितरण के साथ विभिन्न स्थानो पर पशुओ के लिए चाठीये रखे जाएगे ।

शिव महापुराण के लिए आज आएंगे पंडित प्रदीप मिश्रा

बदनावर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा कोटेश्वर में होने वाली शिव महापुराण कथा के लिए गुरुवार को दोपहर 2ञ्बजे धार जिले की सीमा में प्रवेश करेंगे। घाटाबिल्लोद से धार जिले में प्रवेश अवसर पर वाहनों के काफिले के साथ कोद तक वाहन यात्रा के माध्यम से शोभायात्रा के रूप में कोद तक लाया जाएगा। आयोजक शरद सिंह सिसोदिया ने बताया कि पंडित प्रदीप मिश्रा का घाटाबिल्लोद से प्रवेश होगा जो वाहनों के काफिले के साथ लेबड सादलपुर, नागदा कानवन होते हुए बदनावर पहुंचेगा,यहां से पेटलावद मार्ग की और मुड़ते हुए बखतगढ़, रेशमगारा होते हुए कोद पहुंचेंगे। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया जाएगा।

आयोजन को लेकर प्रबंधन व्यवस्था की अंतिम बैठक बुधवार को हुई सम्पन्न-श्री शिव महापुराण कथा के आयोजन को लेकर बनाई गई विभिन्न प्रकार की 25 समितियों पर प्रबंध समिति के 50 सदस्यों को सभी समितियों में जिम्मेदारी दी गई। प्रत्येक समिति में प्रबंध समिति के दो सदस्यों को नियुक्त किया गया जो आवंटित समिति का निरंतर अवलोकन करेंगे। प्रबंध समिति के सदस्यों को वॉकी टॉकी मोबाइल के जरिए संपर्क में रखा जाएगा जो मंच के पीछे स्थापित कार्यालय से जुड़े रहेंगे प्रत्येक गतिविधि एवं आवश्यकता के लिए संबंधित स्थल से ही कार्यालय पर सम्पर्क करेंगे। कथा प्रारंभ होने के 2 दिन पूर्व भोपाल से 60 वर्षीय महिला कथा स्थल पर कथा श्रवण करने के लिए पहुंची। बैठक में समूचे अंचल के स्थानीय नेता समाजजन जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य जन उपस्थित थे।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

3 साल बढ़े हैं सबसे आगे खड़े हैं

देख रहा है सारा देश-सबसे आगे मध्यप्रदेश

उपलब्धियां तीन वर्ष की

लाड़ली बहना योजना
23 से 60 वर्ष की महिलाओं को प्रतिमाह ₹ 1,000 की आर्थिक सुरक्षा

बढ़ती विकास दर
16.43% की औसतन आर्थिक विकास दर के साथ समृद्ध राज्यों में शामिल

मुख्यमंत्री कौशल अप्रेंटिसशिप योजना
1 लाख युवाओं को प्रशिक्षण के साथ ₹ 1 लाख तक का स्टाइपेंड

सशक्त अन्नदाता
मध्यप्रदेश गेहूँ निर्यात में नंबर 1, कृषि विकास दर 2022 में 18.89%

लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0
44.50 लाख से अधिक लाड़ली बेटियाँ हुईं लाभान्वित

सुराज कॉलोनियां
भू-माफियाओं से मुक्त कराई गई 23 हजार एकड़ भूमि पर बनेंगे गरीबों के लिए आवास

मुख्यमंत्री इंटर्नशिप योजना
4,600 से अधिक युवाओं को दी गई पेड इंटर्नशिप

सीएम राइज़ स्कूल
₹ 6,300 करोड़ से बन रहे 9,000 आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण विद्यालय

उद्योग-व्यापार की उन्नति
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट से ₹ 15,42,514 करोड़ के निवेश प्रस्ताव, औसत प्रति व्यक्ति आय 2003 में ₹ 11,718 से बढ़कर अब ₹ 1,40,583 हुई

सांस्कृतिक गौरव की पुनर्स्थापना
उज्जैन में श्री महाकाल महालोक का लोकार्पण, ₹ 2200 करोड़ की लागत से ओंकारेश्वर में 'एकात्म धाम' की स्थापना, ओरछा में राम राजा लोक, चित्रकूट में दिव्य वनवासी रामलोक और सलकनपुर में श्री-देवी महालोक मंदिर प्रस्तावित

D11252/22

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)